हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शनिवार 1 नवंबर 2025

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत महोत्सव

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर-कमलों से

लगभग ₹14,300 करोड़

01 नवंबर 2025

राज्योत्सव स्थल
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

की सड़क, ऊर्जा, उद्योग, आवास, ग्रामीण और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विकास परियोजनाओं का

शिलान्यास / उद्घाटन / लोकार्पण / राष्ट्र को समर्पण और शुभ गृहप्रवेश

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय
₹52 करोड़

लोकार्पण

छत्तीसगढ़ के नवीन **विधानसभा भवन**
₹325 करोड़

गृह प्रवेश एवं किस्त जारी ₹1,200 करोड़

- PMAY-G के तहत बने 3.51 लाख आवासों का गृह प्रवेश एवं खुशियों की चाबी का वितरण
- 3 लाख लाभार्थियों को सहायता राशि की किस्त जारी

शिलान्यास ₹7,459 करोड़

- जांजगीर-चांपा और राजनांदगांव में नया स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र
- नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल पार्क
- बिलासपुर के ग्राम कोनी और उसलापुर में कार्यरत महिला छात्रावास
- मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम(दंतेवाड़ा) में शासकीय मेडिकल कॉलेज भवन
- बिलासपुर में शासकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय भवन
- 3 राष्ट्रीय राजमार्ग-130D और पत्थलगांव-कुनकुरी- छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा तक चार लेन ग्रीनफील्डराजमार्ग के निर्माण एवं उन्नयन कार्य
- कांकेर में 220 के.वी और बलौदाबाज़ार-भाटापारा में 132 के.वी के विद्युत उपकेंद्र
- आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत आधारभूत संरचना का विकास कार्य

उद्घाटन ₹3,250 करोड़

- मुंगेली में 400, राजिम (गरियाबंद) और पाटन (दुर्ग) में 220, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर और कोरिया में 132 के.वी. ईएचवी के कुल 7 उपकेंद्र
- बस्तर और सुकमा में 33 के.वी. उपकेंद्र
- 9 जिलों के 12 ब्लॉकों में स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा खंड (489 किमी) नागपुर-झारसुगुड़ा पाइपलाइन - (GAIL)
- नया पेट्रोलियम ऑयल डिपो (HPCL)
- अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन ट्रांसमिशन परियोजना (पावरग्रिड)

राष्ट्र को समर्पण ₹1,979 करोड़

- विभिन्न जिलों में नई 11 के.वी. और एल.टी. लाइन, ओवरलोडेड 11 के.वी. फीडर और ट्रांसफार्मर
- कंडक्टर को AB केबल में परिवर्तित करने के कार्य
- राष्ट्रीय राजमार्ग-130C मदांगमुड़ा–देवभोग–ओडिशा सीमा तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क निर्माण कार्य

DD NEWS

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

26 लाख से अधिक
परिवारों को पक्की छत

पीएम आवास योजना

6,691 ग्राम
लाभांवित

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान

₹5 करोड़
की लागत से चारधाम की तर्ज पर पांच शक्तिपीठों का विकास

शक्तिपीठ परियोजना

29 हज़ार से अधिक
राम भक्तों ने की अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा

रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना

एनसीआर की तर्ज पर रायपुर-नवा रायपुर-दुर्ग-भिलाई के विकास के लिए प्राधिकरण का गठन

राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR)

₹7.5 लाख करोड़
के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़

₹47,447 करोड़
से रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

रेलवे

₹40 हज़ार करोड़
से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

सड़क

मोदी की गारंटी से संवर रहा छत्तीसगढ़

26 लाख
किसानों को लाभ

पीएम किसान सम्मान निधि

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना

लगभग 6 लाख
मजदूरों को प्रतिवर्ष
₹10,000 की आर्थिक सहायता

महतारी वंदन योजना

लगभग 70 लाख
महिलाएं लाभांवित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

लगभग 37 लाख
महिलाएं
लाभांवित

तेंदूपत्ता संग्रहण दर
₹5500 मानक बोरा

13 लाख संग्राहक
परिवार लाभांवित

उद्यम क्रांति योजना

युवाओं को
स्वरोज़गार के लिये
50% सब्सिडी
पर ब्याजमुक्त ऋण

जल जीवन मिशन

40 लाख
घरों तक नल कनेक्शन

पीएम जनमन योजना

लगभग 60 हज़ार
परिवारों को लाभ

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के दूरदर्शी नेतृत्व में
छत्तीसगढ़ को मिल रही
नई पहचान

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नए विधानसभा भवन का लोकार्पण, राज्योत्सव का उद्घाटन भी करेंगे

डॉ. रमन, सीएम साय, मंत्रि मंडल और विधायकों के साथ नेता प्रतिपक्ष महंत भी होंगे शामिल

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88428/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108000/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117892/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels

Pandri, Raipur

14 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे मोदी

25 साल का हुआ छत्तीसगढ़, पीएम आज आएंगे, सुनेंगे दिल की बात, देंगे कई सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवंबर को राज्योत्सव पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर(नवा रायपुर) आ रहे हैं। इस दौरान करीब पांच घंटे के व्यस्त कार्यक्रम के दौरान वे राज्य के नए विधानसभा भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही वे छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जंयती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री अपने इस एक दिवसीय दौरे में राज्य के लिए 14 हजार 260 करोड़ रुपयों की अलग-अलग परियोजनाओं का उद्घाटन ▶▶| शेष पेज 4 पर

दिल की बात से कार्यक्रमों की शुरुआत

प्रधानमंत्री सुबह 9.40 बजे माना एयरपोर्ट आएंगे। 10 बजे, 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत, नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'जीवन का उपहार' समारोह में जन्मजात हृदय रोगों का सफलतापूर्वक उपचार करा चुके 2500 बच्चों से परस्पर बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 10:45 बजे ब्रह्माकुमारी के शांति शिखर भवन का उद्घाटन करेंगे, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है।

ये सौगातें भी

- एसवीईपी ब्लाकों का उद्घाटन
- छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) ब्लॉकों का उद्घाटन
- 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों का गृह प्रवेश कार्यक्रम। आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किश्तें जारी करेंगे,
- पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे की आधारशिला रखेंगे
- सड़क निर्माण उन्नयन की आधारशिला
- विद्युत क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन परियोजना का उद्घाटन
- 3,750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई ऊर्जा क्षेत्र परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास
- पुनरोद्धार वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत लगभग 1,860 ▶▶| शेष पेज 4 पर

राज्योत्सव पर विशेष

जब छत्तीसगढ़ के लिए विधेयक आया, तब मैं बतौर सांसद कृतज्ञ महसूस कर रहा था

■ - विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत वर्ष पर प्रदेश निर्माण से संबंधित यादों को सहेजते हुए काफी भावुक हो जाता हूं। आज भी 31 जुलाई 2000 का वह दिन ऐसा लगता है, मानो कल की बात हो। संसद में 'मध्य प्रदेश पुनर्गठन विधेयक' प्रस्तुत हो रहा था। छत्तीसगढ़ का भाग्य तब नयी रोशनाई से लिखा जा रहा था। उस लोकसभा का सदस्य होने के सौभाग्य से कृतज्ञ सा महसूस करते हुए तब कल्पना कर रहा था कि नव-निर्मित छत्तीसगढ़ की नियति कैसी होगी। कैसा होगा हमारे सपनों का वह प्रदेश, जो गरीबी, शोषण, पिछड़ापन के दंश से मुक्त होगा, जहां हमारे संसाधनों का उपयोग हमें स्वयं के बेहतरी के लिए करने की स्वतंत्रता होगी। जहां हमारे भाग्य के निर्माता हम स्वयं होंगे।

प्रदेश निर्माता भारत रत्न अटलजी ने छत्तीसगढ़वासियों से किया वादा निभाया और देश के तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने हमारे जीवन को गरिमापूर्ण बनाने का यह विधेयक प्रस्तुत किया था। दोनों सदनों में विधेयक पारित हुआ। फिर 1 नवंबर का वह दिन हमारे सामने था, जब भोपाल स्टेशन से 'छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस' हमारे हिस्से का सपना और सामान लेकर रायपुर की ओर दौड़ पड़ी थी। हम अपने संसाधनों से स्वयं के भविष्य का निर्माण करने के भाव से भरे प्रदेश के जनता से एक अनकहा वादा कर चुके थे। वादा था हर पेट को भोजन, हर खेत को पानी, सभी हाथ को काम और किसानों की उपज के पूरे दाम का।सदियोंसे अंधेरे का शिकार बना दिए गए वंचित तबकों की देहरी पर विकास और लोकतंत्र का एक टिमटिमाता ही सही, किंतु दीप जलाना। उसके बाद की कहानी इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है।

शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री बने डॉक्टर रमन सिंह जी, और उसके बाद छत्तीसगढ़ छलांगें लगाने लगा था सूरज की ओर। बीच में फिर कुछ बाधाएं आयी, किंतु प्रदेश में राजनीतिक प्रतिकूलताओं के बावजूद भी यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बिना भेदभाव के बढ़-चढ़ कर सहयोग देते रहने के कारण छत्तीसगढ़ आगे बढ़ता रहा। आज हमारा प्रदेश जब अपना रजत महोत्सव मनाने के लिए तैयार है, जब विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राज्योत्सव का उद्घाटन करने छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, तब प्रदेश के कल, आज और कल के बारे में सोचते हुए भावुक सा हो रहा हूं। स्मरण हो रहा है जब पंच और सरपंच, फिर विधायक के रूप में अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा अंचल को महसूस किया था, तमाम विसंगतियों से भरे, शोषण और भूख से बिलबिलाते, संसाधनों की लूट को अभिशप्त तब का छत्तीसगढ़ अंचल, फिर आगे प्रदेश के बनने के कहानी, जिसका जिक्र ऊपर है।

प्रदेश के प्रथम सेवक, मुख्यमंत्री के रूप में चमचमाते छत्तीसगढ़ को देखना, ऐसा छत्तीसगढ़ जो अब विकसित प्रदेश होने के लिए दौड़ पड़ा है, मोदी की गारंटी का विश्वास लिए, अपने नेतृत्व के प्रति ▶▶| शेष पेज 4 पर

डा. रमन ने कहा-जब मैं मुख्यमंत्री बना तब 9400 करोड़ का बजट था, आज 1 लाख 64 हजार

भय और आतंक के बूते सरकार नहीं चलाई जा सकती मैंने सबको गले लगाया, किसी को दुश्मन नहीं बनाया

छत्तीसगढ़ राज्य की 25 साल की यात्रा के न केवल साक्षी रहे बल्कि ज्यादातर कालखंड तक राज्य का नेतृत्व करने वाले डॉ रमन सिंह राज्य की प्रगति से संतुष्ट नजर आते हैं। वे अपने 15 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां तो गिनाते ही हैं, भूपेश सरकार की विफलता पर भी नजर रखते हैं। वे कहते हैं कि भूपेश सरकार की विदाई के पीछे नीति और नीयत की उलझन रही। डा. रमन का कहना है कि छत्तीसगढ़ की तासीर में भय और आतंक है ही नहीं। भय और आतंक के बूते कोई छत्तीसगढ़ में शासन नहीं चला सकता। वे कहते हैं कि भाजपा ने प्रदेश के विकास की नींव रखी। भविष्य में भी भाजपा ही प्रदेश को विकास की राह दिखाएगी। पेश है हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु के साथ डा. रमन का सार्थक संवाद।

■ ***सवाल – जब छत्तीसगढ़ राज्य का मध्य प्रदेश विधानसभा में संकल्प प्रस्तुत हुआ था तब आप उस विधानसभा के सदस्य थे और ईश्वर की कृपा रही कि जब उस संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए संसद में जब प्रस्ताव आया तो आप उस सदन के भी हिस्सा थे। जानना ये है कि जब प्रस्ताव आया तब कितना भरोसा था और जब प्रस्ताव के अनुसार राज्य गठन होने जा रहा था तो कितनी उम्मीदें थीं, थोड़ा अतीत के पन्नों को पलटेंगे हमारे साथ ?***

■ **जवाब** – ये यात्रा, लंबी यात्रा छत्तीसगढ़ के निर्माण की रही है। छत्तीसगढ़ सीपी बरार का हिस्सा था, नागपुर राजधानी हुआ करती थी। फिर भाषा के आधार पर जब प्रांतों का गठन हुआ तब मध्यप्रदेश बना और भोपाल राजधानी हुई। फिर 2000 आते-आते मध्य प्रदेश की विधानसभा में एक अशासकीय संकल्प पास किया था। शासन का भी संकल्प नहीं था, लेकिन खासियत यह थी कि सर्वसम्मति से पास किया गया था। इसके बाद घटनाक्रम में तेजी से बदलाव आया। माननीय अटलबिहारी बायपेयी जी का छत्तीसगढ़ प्रवास हुआ। लोकसभा चुनाव का समय था, रायपुर में सभा हुई, उन्होंने उस सभा में पूरे जोर-शोर से घोषणा की कि 11 में से 11 सीटें दीजिए, मैं छत्तीसगढ़ राज्य आपको दूंगा। 11 सीट तो नहीं मिली मगर छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ। जब लोकसभा में माननीय लालकृष्ण आडवाणी जी इस बिल को प्रस्तुत कर रहे थे और उस समय लोकसभा में मैं राज्यमंत्री के रूप में उपस्थित था, तब पूरा भरोसा हो गया। मध्य प्रदेश में तो लगता था यह सिर्फ और सिर्फ दिखाने का मामला है, लेकिन जब दिल्ली में जब प्रस्ताव पारित हुआ तो लगा कि अब छत्तीसगढ़ का निर्माण तय है। यह संकल्प माननीय अटलजी और आडवाणीजी का था जो छत्तीसगढ़ का निर्माण हो सका।

आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थान लेकर आए, स्वास्थ्य को शिखर तक पहुंचाया

■ ***सवाल – आपसे समझना चाहूंगा, क्या उस समय लगता था कि अलग राज्य की जरूरत थी। उत्तराखंड और झारखंड के संदर्भ में देखें तो बड़े जनआंदोलन देखे गए थे, लेकिन छत्तीसगढ़ के संदर्भ में जनता सड़कों पर उतरी हो, नेता सड़कों पर उतरे हों, ऐसे दृश्य दिखे नहीं थे, तो फिर छत्तीसगढ़ की जरूरत महसूस क्यों हो रही थी ?***

■ **जवाब** – बड़ा जन आंदोलन इस रूप में नहीं हुआ मगर छत्तीसगढ़ निर्माण की बात लोगों के मन में बसी हुई थी। छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय असंतुलन का शिकार रहा। विकास के कोई काम यहां नहीं हो रहे थे। हम लोग विधायक थे मध्य प्रदेश के छोटे-छोटे काम के लिए 5-7 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 10-10, 20-20 चक्कर लगाने पड़ते थे। मुख्यमंत्री साल में 2 बार आ जाए छत्तीसगढ़ तो बहुत है। एक प्रकार से जनप्रतिनिधि और आम लोगों के मन में विकास कार्य न होने से ये बात थी कि नए राज्य बनने से नई संभावनाओं के दरवाजे खुलेंगे। ▶▶| शेष पेज 4 पर

■ ***सवाल – नए विधानसभा भवन के लोकार्पण के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी को ही क्यों चुना ?***

■ ***जवाब – आज देश में नरेन्द्र मोदी जी से बेहतर संसदीय प्रकियाओं का जानकार और लगातार क्रियान्वयन करने वाला कोई नहीं है। लगातार 24 साल से पहले मुख्यमंत्री फिर प्रधानमंत्री के रूप में कोई व्यक्ति अपने दायित्वों के प्रति इतना समर्पित हो कि जो एक दिन छुट्टी न ले। गुजरात और फिर देश का चेहरा बदलने वाला, ऐसा काम करने वाला व्यक्ति। मोदीजी से मेरा संबंध संगठन के समय से है। जब वे महामंत्री के रूप में काम करते थे, यात्राओं का संचालन करते थे। फिर मुख्यमंत्री के रूप में यहां के हर प्रमुख अवसर पर वे आते रहे। खाद्यान्न सुरक्षा योजना के समय भी वे आए थे। छत्तीसगढ़ से उन्हें विशेष लगाव रहा है। इसलिए छत्तीसगढ़ के इस महत्वपूर्ण अवसर पर उन्हें बुलाने का निर्णय संसद के लोकार्पण के समय ही मैंने कर लिया था। यह एक रिकॉर्ड होगा कि किसी विधानसभा के लोकार्पण में प्रधानमंत्री उपस्थित हों। ये मोदी जी का चमत्कार है।*

■ ***सवाल – इस चमत्कार को आप ने कब भांप लिया था ?***

■ ***जवाब – उनकी कार्यक्षमता, काम करने का तरीका, उनका चिंतन और लगातार मेहनत से ही लगता था। ऐसे व्यक्ति बिरले ही होते हैं।***

कार्यसमिति में आए थे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू सहित कई राष्ट्रीय नेता

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद बदल गई थी प्रदेश की राजनीति, शामिल हुए थे अटल-आडवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के 2000 में अलग राज्य बनने के बाद यहां पर पहली प्रदेश सरकार कांग्रेस की बनी थी और पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी बने थे। श्री जोगी की आक्रामक राजनीति ने भारतीय जनता पार्टी को वेंटीलेटर पर पहुंचा दिया। दिग्गज विधायक भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। एक वक्त ऐसा भी आया जब लगा कि भाजपा छत्तीसगढ़ के पहले चुनाव में टिक नहीं पाएगी। ऐसे वक्त में भाजपा ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बड़ी बैठक की। बैठक में शामिल होने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवानी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू, प्रमोद महाजन जैसे दिग्गज दिग्गज राष्ट्रीय नेता आए थे। उस समय छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार लाने के लिए प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा डॉ. रमन सिंह को दिया गया था। प्रदेश संगठन महामंत्री सौदान सिंह थे। कार्यसमिति की बैठक में छत्तीसगढ़ के साथ देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव पर रणनीति बनी थी। इसी के साथ प्रदेश ▶▶| शेष पेज 4 पर

राष्ट्रीय कार्यसमिति की यह फोटो वरिष्ठ फोटोग्राफर स्वर्गीय विनय शर्मा द्वारा ली गई थी। यह फोटो भाजपा के मीडिया प्रभारी हेमंत पाणिग्रही द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

बैठक में आए ये दिग्गज नेता

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति में शामिल होने के लिए यहां पर उस समय के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवानी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय जोशी, राष्ट्रीय नेता कुशाभाऊ ठाकरे, राजनाथ सिंह, प्रमोद महाजन, जसवंत सिंह, वसुंधरा राजे सिंधिया, मुरली मनोहर जोशी सहित राष्ट्रीय कार्यसमिति के सभी सदस्य पहुंचे।

बदल गई राजनीति फिजा

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति में छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ ही मप्र, राजस्थान, दिल्ली सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा मंथन किया गया। सबसे अहम छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाने की रणनीति बनाई गई। इसके बाद साल के अंत में जब विधानसभा चुनाव हुए तो उसी रणनीति पर चलते हुए प्रदेश में पहली चुनी हुई सरकार भाजपा की बनी। विधानसभा का चुनाव प्रदेशाध्यक्ष ▶▶| शेष पेज 4 पर

कांग्रेस लगातार तीन चुनाव हारी

अटल-आडवानी और छत्तीसगढ़ में डा. रमन सिंह का नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ की राजनीति को ही बदल दिया। कांग्रेस लगातार तीन चुनाव हार गई। डा. रमन सिंह अजेय बने रहे और छत्तीसगढ़ में 15 साल तक उन्होंने शासन किया। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी दुर्घटना के बाद भी राजनीतिक रूप से सक्रिय बने रहे। उसके बाद भी कांग्रेस सत्ता हासिल न कर सके। केंद्रीय राजनीति के धुरंधरों का साथ छत्तीसगढ़ भाजपा को मिलता रहा और कांग्रेस हाशिए पर रही। उसके बाद भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनाई लेकिन फिर उसके बाद भाजपा से वापसी की।

नई राजधानी की कहानी **सोनिया ने किया था शिलान्यास**

भाजपा ने बसाया हमारा अटल नगर

आईआईएम की नींव रखी डॉ. रमन ने

श्रीमती सोनिया गांधी के द्वारा 8 मार्च 2023 को नई राजधानी का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अब से 25 साल पहले छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद इस प्रदेश की राजनीतिक फिजा न केवल बदली, बल्कि इस नवोदित राज्य के लिए नए सपने बुनने का दौर शुरू हो गया था। राज्य बनने के बाद जब नई राजधानी बनाने की बात आई, तो तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी (2000-2003) ने उस समय आज के नवा रायपुर स्थित चेरिया-पौता गांव में नई राजधानी का शिलान्यास किया था। इसी समय से राजधानी बनाने, उसे सजाने संवारने की जो प्रक्रिया शुरू हुई। तब खूब राजनीति हुई। कांग्रेस चुनाव हार गई और भाजपा सत्ता में आई। उसके बाद भाजपा सरकार में राखी गांव में नई राजधानी का शिलान्यास किया गया। 25 साल के इस सफर में नवा रायपुर एक नए बसते हुए शहर का आकार लेने में सफल हुआ है। अब राज्य सरकार के सभी प्रमुख ▶▶| शेष पेज 4 पर

राखी गांव की नई दिशा (2004–2005)

*नवंबर 2003 में भाजपा की सरकार बनी और डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। नई सरकार ने राजधानी की योजना की भौगोलिक स्थिति बदली। नया स्थान चुना गया—रायपुर से दक्षिण-पूर्व दिशा में स्थित राखी गांव और उसके आसपास का क्षेत्र। सरकार का तर्क था कि यह जगह भूगर्भीय रूप से स्थिर, बेहतर जल निकासी और योजनाबद्ध विस्तार के लिए उपयुक्त है।योजना को नए रूप में ढाला गया, जिसे बाद में नया रायपुर विकास प्राधिकरण (**NRDA**) ने अमल में लाया।यहीं पर 2005 में दूसरी बार शिलान्यास हुआ, और राखी गांव के आसपास के क्षेत्र को धीरे-धीरे राजधानी परियोजना क्षेत्र घोषित कर दिया गया।*

तय हुए मंत्रालय-सचिवालय

उसी समय तय हो गया था मंत्रालय-सचिवालय। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी सरकार के कार्यकाल के आखिरी वर्ष 2003 में जब चेरिया में नई राजधानी का शिलान्यास किया गया था, तब ही तत्कालीन सरकार के मंत्रियों ने राजधानी की रूपरेखा तैयार करने में बड़ी भूमिका अदा की थी। इस समय यह तय किया गया था कि कहां मंत्रालय होगा, कहां सचिवालय बनेगा। इसके साथ ही राज्य स्तर के बड़े सरकारी भवन मुख्यालय वगैरह बनाने की बात तय हो गई थी। नई राजधानी बनाने के लिए कितनी जमीन की जरूरत होगी, आसपास के कितने और कौन से गांव राजधानी क्षेत्र में शामिल होंगे, यह सब कुछ तय कर लिया गया था। इसके बाद 2003 के अंत में जब विधानसभा चुनाव हुए तो सत्ताधारी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सत्ता में आई भाजपा सरकार ▶▶| शेष पेज 4 पर

सिर्फ पांच जिला अस्पताल थे, अब 15 मेडिकल कॉलेज, एम्स 33 बड़े सरकारी हॉस्पिटल के साथ मेडिकल हब बन चुका

राज्य गठन के पहले पांच जिला अस्पताल के भरोस यहां इलाज होता था, मगर छत्तीसगढ़ अब मध्य भारत का मेडिकल हब बन चुका है। राज्य निर्माण के 25 सालों में यहां शासकीय और निजी मिलाकर 15 मेडिकल कालेज, 33 जिला अस्पताल के साथ एम्स और कई बड़े निजी हास्पिटल के जरिए यहां उपचार सुविधा मिल रही है। यहां के लोगों की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूसरे राज्यों पर रहने वाली निर्भरता खत्म हो चुकी है, उल्टे दूसरे राज्यों से मरीज यहां आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

निजी सुपरस्पेशयलिटी हास्पिटल की सुविधाओं ने भी कई राज्यों को पीछे छोड़ा

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

राज्य गठन के पहले रायपुर में सौ बेड का डीके अस्पताल था, जहां शहर के साथ आसपास के लोग आकर अपना इलाज करवाते थे। इसी तरह दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़ और जगदलपुर के जिला अस्पताल वहां के बीमार मरीजों का एकमात्र सहारा हुआ करते थे। डाक्टर तैयार करने के लिए एमबीबीएस की पढ़ाई केवल रायपुर के शासकीय जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय महाविद्यालय में हुआ करती थी। इसके बाद छत्तीसगढ़ अस्तित्व में आया और यहां स्वास्थ्य सुविधाओं ने विकास की राह पकड़ी। शासकीय के साथ निजी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ और हर तरह की गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो गया। छत्तीसगढ़ अब 25 साल का हो चुका है और यहां शासकीय और निजी मिलाकर 15 मेडिकल कालेज, सात डेंटल कालेज, 33 जिला अस्पताल हो चुके हैं। बड़े और कार्पोरेट स्तर के प्राइवेट अस्पतालों की संख्या भी दर्जनभर से ज्यादा हो चुकी है। वर्ष 2012 में यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना हुई और लोगों को शासकीय सेक्टर में इलाज की आधुनिक सुविधा मिल रही है।

राज्य गठन के समय ऐसा था रायपुर का हमारा डीके अस्पताल।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मेट्रोसिटी पर खत्म हो चुकी निर्भरता, मिल रही आधुनिक सुविधा

हार्ट और कैंसर का इलाज यहीं

पहले हृदय संबंधित बीमारी होने पर मरीजों को मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों की तरफ इलाज के लिये पलायन करना पड़ता था। कैंसर जैसी बीमारी के लिए दूसरे राज्यों के डाक्टरों के भरोसे रहना पड़ता था। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बाद शासकीय और प्राइवेट सेक्टर में भी इनका इलाज संभव हुआ है। मरीजों को शासन की आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना से निशुल्क इलाज की सुविधा भी मिल रही है।

कई बड़े हास्पिटल आने की तैयारी में

छत्तीसगढ़ को मेडिकल हब के रूप में विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए देश के कई बड़े हास्पिटल छत्तीसगढ़ में आने की तैयारी में हैं। प्राइवेट सेक्टर में हास्पिटलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार उन्हें सब्सिडी प्रदान कर रही है। राजधानी रायपुर के अलावा शासकीय स्तर पर बिलासपुर और जगदलपुर में भी शासकीय सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल खुल चुके हैं।

2000 में थे 19 लाख उपभोक्ता, अब संख्या पहुंची 65 लाख के पार

राज्य बना तब बिजली टिमटिमा रही थी, सिर्फ 1309 मेगावाट की थी खपत

25 सालों में आंकड़ा 7000 पार

छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। इन 25 सालों में प्रदेश में बिजली के उपभोक्ताओं की संख्या में 46 लाख से ज्यादा बढ़ गई है। राज्य बनने के समय प्रदेश में वर्ष 2000 में बिजली के उपभोक्ताओं की संख्या 19 लाख से भी कम थी। यह संख्या अब 65 लाख के पार हो गई है। इसी के साथ बिजली की खपत में भी पांच गुना इजाफा हो चुका है। पहले खपत 1309 मेगावाट थी, जो अब सात हजार मेगावाट के पार हो चुकी है। कृषि पंपों की संख्या भी छह लाख तक पहुंच गई है। इसी के साथ अस्थाई कृषि पंप भी ढाई लाख के आसपास हो गए हैं।

राजकुमार ग्वालानी ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में बिजली की रफ्तार से ही बिजली के उपभोक्ता बढ़े हैं। इसी के साथ सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है। जब अपना राज्य अलग हुआ था, तो उस समय प्रदेश में निम्न दाब के महज 1890998 उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 6521951 हो गए हैं। उच्च दाब के उपभोक्ता महज 530 थे, जो अब बढ़कर 4177 हो गए हैं। यानी राज्य बनने के बाद यहां पर उद्योगों में भी भारी संख्या में इजाफा हुआ है। छत्तीसगढ़ बनने के पहले प्रदेश में महज 73369 कृषि पंप थे। इसकी संख्या में प्रदेश में भाजपा शासनकाल में तब भारी संख्या में इजाफा होना प्रारंभ हुआ, जब कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली योजना का प्रारंभ किया। इसके बाद से लगातार कृषि पंपों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस समय स्थाई कृषि पंपों की संख्या 594277 है। इसी के साथ अब अस्थाई पंप कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं। पहले राज्य में एक भी अस्थाई कृषि पंप नहीं था, लेकिन अब 242390 अस्थाई कृषि पंपों के कनेक्शन हैं। इसी के साथ सोलर कृषि पंपों के कनेक्शन अलग से हैं।

अपना उत्पादन तीन हजार मेगावाट

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन पॉवर कंपनी की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। मड़वा में 500 मेगावाट के दो संयंत्र हैं। इसी के साथ कोरबा में 210 मेगावाट के चार और एक पांच सौ मेगावाट का संयंत्र है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी संयंत्र में 250 मेगावाट के दो संयंत्र हैं। इसी के साथ बांगो में 40 मेगावाट के 3 पानी के संयंत्र हैं। इन संयंत्रों से रोज 25 से 26 सौ मेगावाट का ही उत्पादन होता है। कभी कोई संयंत्र खराब हो गया तो उत्पादन दो हजार से 22 सौ मेगावाट हो जाता है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एनटीपीसी सीपत के निर्माण का जनवरी 2002 में शिलान्यास किया।

बिजली की खपत पांच गुना बढ़ी

छत्तीसगढ़ राज्य अलग हुआ था, तब प्रदेश में बिजली की खपत महज 1309 मेगावाट थी, तब प्रदेश में बिजली का उत्पादन भी महज 1360 मेगावाट होता था। राज्य के अलग बनने के बाद से ही प्रदेश में जहां एक तरफ तेजी से उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हुआ, वहीं बिजली की खपत में इजाफा होना प्रारंभ हुआ। पहली बार बिजली की खपत 2003 में दो हजार मेगावाट के पार होकर 2335 मेगावाट तक पहुंची। इसके बाद 2013 में खपत तीन हजार मेगावाट के पार और 2018 में चार हजार मेगावाट के पार गई। 2023 में खपत ने पांच हजार मेगावाट का आंकड़ा पार किया और अब खपत इस साल सात हजार मेगावाट के पार हो गई है।

सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर

प्रदेश में बिजली की जितनी डिमांड रहती है उसको पूरा करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से बिजली ली जाती है। सेंट्रल सेक्टर से करीब साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर है। इस बार गर्मी में खपत 7006 सौ मेगावाट तक गई तो सेंट्रल सेक्टर से चार हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली लेकर पूर्ति की गई थी। इसी के साथ पॉवर कंपनी को स्थानीय निजी उत्पादकों से भी बिजली मिलती है। दूसरे राज्यों से भी एक्सचेंज में बिजली लेते हैं। कुल मिलाकर जितनी डिमांड रहती है उसको पूरा करने का काम किया जाता है।

14 हजार मेगावाट बिजली की नई योजनाएं

प्रदेश सरकार राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। 14 हजार मेगावाट की योजनाओं पर काम चल रहा है। पहले चरण में इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्रों के निर्माण का उद्घाटन किया है। इसी के साथ इस साल की पहली नई योजना का प्रारंभ हो गया है। अब पॉवर कंपनी का बड़ा फोकस प्रदेश में पानी से 7300 मेगावाट बिजली बनाने पर है। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में पानी से 35 सौ मेगावाट बिजली बनाने के लिए दो संयंत्र लगेंगे। यहां पर 21 और 14 सौ मेगावाट के दो संयंत्रों लगेंगे। इसको लेकर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है और एमओयू भी हो गया है।

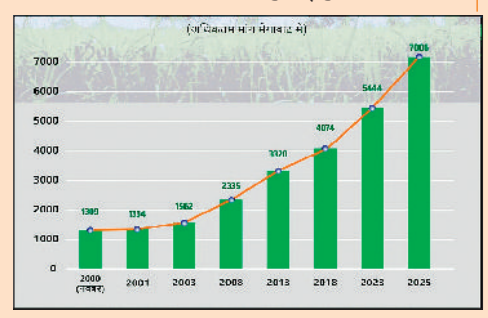

राज्य बनने के बाद 16 साल में ही छग को मिल गए थे राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान

2005 में एनआईटी, नींव रखी थी राजेंद्र प्रसाद ने, पहले बैच में थे सिर्फ 15 छात्र

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

2000 के पूर्व यदि प्रदेश के किसी छात्र को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान से मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग या इस तरह की किसी उपाधि की ख्वाहिश होती थी, तो अध्ययन के लिए राज्य से बाहर जाने के अलावा उनके पास कोई और विकल्प नहीं होता था। अब ऐसे हालात नहीं हैं। राज्य बनने के 16 साल के अंतराल में ही प्रदेश में एनआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी और आईआईटी की सौगात लोगों को मिल चुकी थी। कम वर्षों में ही इन संस्थानों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली रैंकिंग में अपना स्थान निर्मित कर लिया है। दूसरे राज्य के छात्र अब यहां अध्ययन के लिए आ रहे हैं।

एनआईटी : 1 दिसंबर 2005

राज्य निर्माण के बाद प्रदेश को जिस पहले राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान की सौगात मिली, वो एनआईटी रायपुर रहा। जिस कैंपस में एनआईटी का संचालन हो रहा है, उसकी स्थापना 1956 में शासकीय खनन एवं धातुकर्म महाविद्यालय के रूप में हुई थी। बाद में 2005 में इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) घोषित कर दिया गया। खास बात यह है कि जिस कैंपस में एनआईटी का संचालन हो रहा है और जो पूर्व में शासकीय खनन एवं धातुकर्म महाविद्यालय था, उसकी स्थापना 1 मई, 1956 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा की गई थी। इसके पहले बैच में सिर्फ 15 छात्र थे। 1 दिसंबर 2005 को इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया।

आईआईएम: 11 अक्टूबर 2010

आईआईएम का उद्घाटन 11 अक्टूबर 2010 को हुआ था। इसी वर्ष से आईआईएम में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत कर दी गई थी। प्रारंभ में इसे शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर के कैंपस में संचालित किया गया, लेकिन अब आईआईएम के पास नवा रायपुर में अपना भवन है।

ट्रिपलआईटी : अगस्त 2015

नवा रायपुर में स्थित इस अंतर्राष्ट्रीय संस्थान को छत्तीसगढ़ सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 के तहत मान्यता प्रदान की। अगस्त 2015 से यहां विधिवत कक्षाओं की शुरुआत हुई।

आईआईटी : अगस्त 2016

ट्रिपलआईटी की सौगात मिलने के एक साल बाद ही छत्तीसगढ़ को आईआईटी भिलाई की भी सौगात मिल गई। आईआईएम की तरह इसके भी शुरुआती सत्र शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर में ही संचालित हुए। अब भिलाई में संस्थान का अपना कैंपस है, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं।

विभाजन में मिले थे 2 विवि, 25 साल में हो गए 25

वर्तमान में 9 शासकीय, 15 निजी और एक केंद्रीय विवि

एक नवंबर 2000 को जब हमारा प्रदेश मध्यप्रदेश से अलग हुआ, उस वक्त हमारे हिस्से सिर्फ दो ही विवि आए थे। 1964 में रायपुर में स्थापित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और 1993 में बिलासपुर में स्थापित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय। गुरु घासीदास विवि को स्थापित हुए उस वक्त सिर्फ 7 साल ही हुए थे। पाठ्यक्रमों की विविधता सहित अन्य दृष्टिकोण से यह विवि अधिक समृद्ध नहीं था। कोई भी राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान उस वक्त तक छग में स्थापित नहीं हो सका था। ऐसे में प्रदेशभर की शिक्षा का भार मुख्य रूप से पं.रविशंकर शुक्ल विवि पर ही था। पिछले 25 सालों में शिक्षा के क्षेत्र में छग तेजी के साथ आगे बढ़ा और आज यहां 25 विवि हैं। इनमें 9 शासकीय, 15 निजी और एक केंद्रीय विवि शामिल हैं। गुरु घासीदास विवि को ही बाद में केंद्रीय विवि की मान्यता प्रदान की गई। इंजीनियरिंग, मेडिकल, संगीत, पत्रकारिता सहित अन्य सभी पाठ्यक्रमों का एकीकरण रविवि में ही होने के कारण यहां कार्यभार बढ़ता गया। रविवि से पृथक होकर ही 2005 में स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि की स्थापना की गई। आयुष विवि, दुर्ग विवि भी रविवि से पृथक होकर ही स्थापित हुए। आज प्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित सभी तरह की शैक्षणिक उपाधियों के लिए पृथक विवि हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं।

335 शासकीय महाविद्यालय कटऑफ 90% पार

विश्वविद्यालयों के साथ प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या भी पिछले 25 वर्षों में सुखद रूप से बढ़ी है। वर्तमान में यहां 335 शासकीय महाविद्यालय हैं। साथ ही 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय और 256 अनुदान-अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय अर्थात प्राइवेट कॉलेज हैं। विभाग द्वारा नवीन शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों को मान्यता प्रदान करने संबंधित प्रक्रिया जारी है। इस संख्या में जल्द ही बढ़ोत्तरी होगी। विशेष बात यह है कि इनमें से कई महाविद्यालय ऐसे हैं, जहां प्रवेश के लिए छात्रों में इतनी मारामारी रहती है कि कटऑफ 90% के पार चला जाता है।

खाकी का रुतबा: राज्य गठन के आठ माह बाद पुलिस भर्ती के लिए बस्तर में पहली बटालियन, अब 22 बटालियन

25 साल में संख्या साढ़े चार गुना बढ़कर 56 हजार के करीब पहुंची

गिरीश केशरवानी ⏭ रायपुर

राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ में खाकी का रुतबा भी बढ़ा है। आबादी, एरिया और क्राइम रेट बढ़ने के साथ पुलिस बल में भी इजाफा हुआ है। राज्य गठन के पहले यहां नौ से दस हजार के करीब पुलिस बल था। अलग राज्य बनने के बाद एक अनुपात तीन की संख्या में छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश से 12 हजार के करीब पुलिस बल मिला। उनमें से ज्यादातर पुलिसकर्मी छत्तीसगढ़ के बजाय अपने मध्यप्रदेश जाना चाहते थे। राज्य के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक तथा तत्कालीन डीआईजी प्रशासन डीएम अवस्थी के अनुसार जो पुलिसकर्मी छत्तीसगढ़ से वापस मध्यप्रदेश जाना चाहते थे, उन्हें किसी तरह रोका गया। अब संख्या 56 हजार के करीब पहुंच चुकी है। श्री अवस्थी के अनुसार अलग राज्य बनने के बाद कानून व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए पुलिस की कमी दूर करने तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी

के निर्देश पर बस्तर में पुलिसभर्ती के लिए वर्ष 2001 जुलाई-अगस्त में दंतेवाड़ा में पुलिस की नौवीं बटालियन का गठन किया गया। इसके बाद वर्ष 2002 में राज्य शासन ने सरगुजा में पुलिस भर्ती के लिए 10वीं बटालियन का गठन किया। इसके बाद पुलिस भर्ती करने केंद्र सरकार की मदद से आने वाले वर्षों में अलग-अलग जिलों में पुलिस बटालियन का गठन किया गया।

बटालियन की संख्या दो से बढ़कर 22 पहुंची

राज्य गठन के 25 वर्ष का सफर पूरा होने के बाद वर्तमान में पुलिस भर्ती के लिए बटालियन की संख्या दो से बढ़कर 22 तक पहुंच गई है। इन 22 बटालियन के माध्यम से हर वर्ष हजारों की संख्या में नए रंगरूट तैयार हो रहे हैं। तब राज्य में सात जिले थे, जो अब बढ़कर 33 हो गए हैं, साथ ही राज्य में जनसंख्या बढ़ी है।

आईजी, एसएसपी से आयुक्त प्रणाली की ओर अग्रसर

राजधानी में बढ़ते अपराध तथा अपराध के बदलते तरीके को देखते हुए राज्य सरकार रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने जा रही है। इसे लेकर पूर्व पुलिस महानिदेशक का कहना है कि अपराधियों से निपटने पुलिस अफसरों को ज्यूडिशयल पावर की जरूरत है। देश के कई बड़े शहरों में अपराधियों से निपटने पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गई है।

छुकछुक नहीं, सुपरफास्ट...

माल लदान से कमाई 450 करोड़ से पहुंची 5 हजार करोड़ के करीब, 70 से ज्यादा नई ट्रेनें

छत्तीसगढ़ और मंडल की स्थापना होने के बाद स्टेशनों में यात्री सुविधा के साथ कमाई भी बढ़ी

छत्तीसगढ़ को राज्य के रूप में स्थापित हुए आज पूरे 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस बीच हर क्षेत्र में वृहद रूप में प्रदेश विकसित और समृद्ध हुआ है। इसमें भारतीय रेलवे रायपुर मंडल भी शामिल है। रायपुर सन 2003 तक बिलासपुर का हिस्सा रहा, जिसके बाद 1 अप्रैल 2003 से अलग होकर जब मंडल का गठन हुआ, इसके बाद रायपुर ने भी विकास का नया कीर्तिमान हासिल किया।

ललित राठोड़ ⏭ रायपुर

इन 25 वर्षों में जोन के नैरो गेज से ब्रॉड गेज के सफर को याद किया जाए, तो उस समय यात्री मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या लगभग 105 हुआ करती थी और पैसेंजर ट्रेन लगभग 38 हुआ करती थी, जो अब वर्तमान में रायपुर से गुजरने वाली मेल एक्सप्रेस 162 और यात्री पैसेंजर ट्रेन 55 तक पहुंच चुकी हैं। मंडल के गठन समय में माल लदान आय लगभग 450 करोड़ हुआ करती थी, जो अब 4828.88 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इसके अलावा यात्रियों का फुटफॉल लगभग 20 हजार से अब मंडल का प्रतिवर्ष 05 करोड़ 09 लाख व रायपुर स्टेशन प्रतिवर्ष 2 करोड़ 51 लाख, इसके अलावा रायपुर स्टेशन पर प्रतिदिन फुट फॉल 69 हजार पहुंच गया है।

रायपुर मंडल की प्रतिदिन की कमाई अब 1 करोड़ 67 लाख

राज्य स्थापना के बाद जैसे रायपुर मंडल बना वैसी ही विकास के साथ-साथ कमाई भी रेलवे की बढ़ती गई है। 25 वर्ष पूर्व मंडल की प्रतिदिन कमाई लाखों में होती थी, लेकिन अब करोड़ में पहुंच चुकी है। रायपुर मंडल प्रतिवर्ष यात्री आय 607 करोड़ 82 लाख तक पहुंच गया है जब प्रतिदिन यात्री आय 1 करोड़ 67 लाख हो चुकी है। बता दें कि रायपुर के रेलवे स्टेशन का इतिहास 130 साल से भी पुराना है। 1888 में इसे बनाया गया था। मुख्य तौर पर खनिज परिवहन के लिए रायपुर की रेल लाइन का इस्तेमाल होता था। बंगाल और नागपुर रेलवे रायपुर स्टेशन का संचालन करते थे। 70 के दशक में इस रेल लाइन को बिजली से जोड़ा गया।

माल लदान में सबसे अधिक राजस्व अर्जित वाला जोन बना बिलासपुर: 22 साल पहले बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन की स्थापना हुई थी। इस दौरान बिलासपुर जोन ने 83.02 मिलियन टन माल लदान करते हुए 5344 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया था। 22 साल बाद यानि वर्ष 2023-24 में माल लदान बढ़कर 236.02 मिलियन टन हो गया, जिससे 27795 करोड़ की आय रेलवे को हुई है। वर्ष 2003-04 में 83.02 मिलियन टन माल लदान का ग्राफ प्रतिवर्ष बढ़ते गया।

अब दिन में यात्रियों की आवाजाही हुई 60 हजार से अधिक

बिलासपुर जोन के साथ रायपुर मंडल के स्टेशनों में सुविधा भी 25 वर्षों में बढ़ी है इसलिए पहले रायपुर की गनती ए से एफ श्रेणी के स्टेशनों में होती थी, अब ए वन में होती है। पहले मंडल में आरक्षण केंद्र 18 थे अब 42 है। अनारक्षित टिकट केंद्र 21 से 64 बन गए। रूट किलोमीटर 355.8 से 412 तक हो चुका है। ट्रैक किलोमीटर भी 881.8 से 1064 तक पहुंच चुका है। जानकारी मुताबिक 2003 के समय में माल लदान 19.14 मिलियन टन होता थाज जो अब 44.73 मिलियन टन हो चुका है। इस वजह से पहले जहां प्रतिदिन 20 से 25 हजार तक यात्रियों की आवाजाही होती थी, जो अब प्रतिवर्ष यात्रियों की संख्या जाने वाले 1 करोड़ 09 लाख आने वाले 1 करोड़ 37 लाख हो चुकी है। प्रतिदिन में आने और जाने वाले यात्री अब 60 हजार से भी अधिक हैं।

बिलासपुर, शनिवार 1 नवंबर 2025 | कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी | वर्ष : 25, अंक : 218 | पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फ्रंट फाइल

25 वर्ष में 1541 नक्सली हुए ढेर, 1315 जवानों की शहादत

छग राज्य गठन के बाद शनिवार को छग प्रदेश रजत जंयती मना रहा है, लेकिन इन 25 वर्षों में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए विभिन्न बल के 1315 जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी। वहीं 1817 निर्दोष ग्रामीणों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षाबलों ने राज्य गठन वर्ष के पहले वर्ष में सिर्फ एक नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया था, जबकि सात जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी थी, लेकिन जैसे जैसे समय आगे बढ़ता गया जवानों की बजाए नक्सलियों को अधिक नुकसान हुआ।

3404	मुठभेड़ें हुईं
1541	नक्सली ढेर
1315	जवानों ने शहादत दी
1817	निर्दोष ग्रामीणों की जान गई
13,416	नक्सली गिरफ्तार
7826	ने आत्मसमर्पण किया
3327	हथियार बरामद
4312	जिंदा आईईडी डिफ्यूज
1265	आईईडी ब्लास्ट

राज्य गठन के पहले वर्ष केवल एक नक्सली की हुई थी मौत, 25 वर्ष में हुए 1541 ढेर

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

25 साल बाद बदली बस्तर की फिजा, नक्सल प्रभावित सात जिले में चार हुए मुक्त, सुकमा, बीजापुर व नारायणपुर में गिनती के बचे नक्सल कैडर

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। 2000 में मध्यप्रदेश से विभाजन के बाद अस्तित्व में आए इस राज्य को बस्तर के रूप में वह इलाका मिला था जो दशकों से नक्सल हिंसा का पर्याय बन चुका था। बस्तर की यह यात्रा सिर्फ भूगोल का नहीं, बल्कि मनोबल और परिवर्तन का भी इतिहास है। जहां लाल आतंक की धरती अब विकास की हरियाली और लोगों की मुस्कान में बदल रही है। 25 वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश से विभाजन के बाद अस्तित्व में ▶▶शेष पेज 4 पर

राज्य स्थापना के 25 वर्ष

टॉप मोस्ट 7 नक्सली समेत 3 सौ टारगेट में

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे के डेडलाइन के बाद फोर्स लगातार नक्सलियों के आधार इलाकों में आपरेशन चला रही है। समर्पण व ऑपरेशन में मारे जाने के बाद बचे सेण्ट्रल कमेटी के सात नक्सलियों के अलावा डीव्हीसीएम, एसीएम समेत लगभग 3 सौ नक्सलियों को टारगेट किया जाएगा। जिसके लिए रणनीति तैयार कर ली गई है। मोस्ट वांटेड नक्सलियों में ▶▶शेष पेज 4 पर

तीन जिले में सिमटा नक्सलवाद

18 हजार वर्ग, किमी से अधिक इलाके हुए नक्सल मुक्त

बस्तर संभाग के 43 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में से लगभग 35 प्रतिशत इलाके में दशक भर पूर्व तक नक्सलियों का एकछत्र राज हुआ करता था। वर्तमान में लगातार खुल रहे पुलिस कैम्प व नक्सल विरोधी मुहिम के चलते 18 हजार वर्ग किमी से अधिक इलाके को नक्सल मुक्त करा लिया गया है। नक्सलियों के अधिकतर आधार क्षेत्र जो लाल गलियारे के रूप में जाने जाते थे, उसे मुक्त करते हुए नक्सलियों को खदड़ने में फोर्स कामयाब हो चुकी ▶▶शेष पेज 4 पर

एक नई पहचान-नया बस्तर

आज का बस्तर साहस, विश्वास और पुनर्निर्माण की कहानी है। यह उसके लोगों के धैर्य और सरकार की प्रतिबद्धता का सजीव उदाहरण है। संघर्ष से विश्वास तक, अलगाव से एकता तक बस्तर की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि जब शासन, विकास और समाज एक साथ चलें तो दशकों पुराना उग्रवाद भी समाप्त किया जा सकता है। आज बस्तर हिंसा का नहीं, बल्कि संस्कृति, साहस और सामूहिक प्रगति का प्रतीक बन चुका है। एक ऐसा नया बस्तर, जहां हर नागरिक शांति, सुरक्षा और समावेशी विकास की कहानी का सहभागी है।

-सुंदरराज पी., आईजी बस्तर

गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद संबोधन

मोदी गरजे, कहा- पटेल की नहीं मानी बात नेहरू ने करवाया कश्मीर का विभाजन

एजेंसी ▶▶| एकता नगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया और कश्मीर का विभाजन करवा दिया। सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने वंदे मातरम् पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन कभी सफल नहीं हुए। मोदी ने कहा- जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वह कांग्रेस ने कर दिया। कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर वंदे मातरम् के एक हिस्से को हटा दिया। इसका मतलब है कि कांग्रेस ने समाज को विभाजित किया और ब्रिटिश एजेंडे को आगे बढ़ाया। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। मोदी ने कहा, ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था।

नेहरू के कारण कश्मीर का विभाजन हुआ

कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा।

छत्तीसगढ़ सहित 10 राज्यों की झांकियां शामिल

गुजरात के केवडिया में गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड की तरह ही राष्ट्रीय एकता परेड हो रही है। इसमें 10 झांकियां निकाली गईं। इनमें एनडीआरएफ, एनएसजी, जम्मू-कश्मीर, अंडमान और निकोबार, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, गुजरात, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की झांकियां शामिल हुईं। इस दौरान वायुसेना की सूर्यकिरण टीम ने फ्लाई पास्ट किया। एनएसजी का हेल मार्च, सीआरपीएफ और गुजरात पुलिस की महिला विंग राइफल ड्रिल, बीएसएफ का डॉग शो और असम पुलिस का मोटरसाइकिल स्टंट शो भी हुआ।

घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए खतरा- मोदी

मोदी ने कहा कि आज देश की एकता और आंतरिक सुरक्षा को बहुत बड़ा खतरा घुसपैठियों से भी है। देश के भीतर दशकों से विदेशी घुसपैठिए आते रहे, वो देश के संसाधनों पर कब्जा करते रहे। डेमोग्राफी का संतुलन बिगाड़ते रहे। देश की एकता दांव पर लगाते रहे हैं, लेकिन पुरानी सरकारें इतनी बड़ी समस्या पर आंखें मूंदे रही। वोटबैंक की राजनीति के लिए राष्ट्र की सुरक्षा को जान-बूझकर खतरे में डाल दिया।

देश ने निर्णायक लड़ाई लड़ने की ठानी

आगे कहा कि अब देश ने पहली बार इस बड़े खतरे के खिलाफ भी निर्णायक लड़ाई लड़ने की ठानी है। लाल किले से मैंने डेमोग्राफी मिशन का ऐलान किया है, लेकिन आज जब हम इस विषय को गंभीरता से उठा रहे हैं, तो कुछ देशहित से ज्यादा आने स्वार्थ को ऊपर रख रहे हैं। ये लोग घुसपैठियों को अधिकार दिलाने के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़ रहे हैं।

हमें विभाजन में मिला था रेड कारीडोर, 25 साल बाद जंगलों में लौटी मुस्कान

सचिन अग्रहरि ▶▶| राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ जहा एक ओर छत्तीसगढ़ियों का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ, वहीं इस नए राज्य को विरासत में मिला था 'रेड कॉरिडोर'। राजनांदगांव, कवर्धा और बस्तर के घने जंगलों में फैला यह इलाका कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। राज्य निर्माण के शुरुआती वर्षों में नक्सल संगठन इतने प्रभावी थे कि कई गांवों में शासन का अस्तित्व लगभग समाप्त हो गया था। अविभाजित राजनांदगांव जिले में नक्सलियों ने ऐसी घेराबंदी कर रखी थी कि दूर-सुदूर गांवों में प्रशासन के बजाय नक्सल संगठन का राज चल रहा था। केंद्र और राज्य सरकार की फोर्स ने पिछले 25 सालों में लाल आतंक से जूझ रहे इलाकों में तगड़ी मोर्चाबंदी कर नक्सलवाद से जिले को मुक्ति दिलाई है, बल्कि वहां तेजी के साथ विकास काम कर वनांचल के लोगों का भरोसा भी जीत लिया है।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष

पहले थे दो दर्जन से ज्यादा नक्सल दलम : घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों वाले राजनांदगांव जिले में नक्सलियों ने अपना ठिकाना बनाया। राजनांदगांव के दक्षिणी ▶▶शेष पेज 4 पर

प्रमुख घटनाएं

- **12 जुलाई 2009, कोरकोट्टी हमला:** एसपी विनोद चौबे समेत 29 जवान शहीद
- **कोहका विस्फोट:** आईटीबीपी के 3 जवान शहीद
- **पुरदौनी मुठभेड़ (2019):** सब-इंस्पेक्टर श्याम किशोर शर्मा शहीद, 4 नक्सली ढेर
- **गातापार हमला:** सब-इंस्पेक्टर युगल किशोर वर्मा समेत 3 जवान शहीद
- **कटेमा नरसंहार (2017):** दो ग्रामीणों की जघन्य हत्या
- **छुरिया क्षेत्र:** नक्सलियों ने 9 ग्रामीणों को मौत की सजा सुनाई

बलिदानों की गाथा: 12 जुलाई 2009 की याद आज भी ताजा

राजनांदगांव की धरती ने नक्सलवाद से लड़ते हुए अनेक सपूतों की शहादत देखी है। 12 जुलाई 2009, कोरकोट्टी हमला हुआ था। इसमें एसपी विनोद चौबे समेत 29 जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा मुरूम गांव से वापस लौटते कोहका में तैनात आईटीबीपी के 3 जवान भी विस्फोट में शहीद हुए थे। डोंगरगढ़ इलाके में गश्त से लौटते वक्त घात लगाकर नक्सलियों ने एक वाहन को उड़ा दिया था। जिसमें संजय शर्मा नामक नौजवान शहीद हो गया था। इस घटना में एएसपी मनोज खिलाड़ी को भी काफी गंभीर चोंट पहुंची थी।

आवारा कुत्तों के मामले में भड़का सुप्रीम कोर्ट

'सभी सचिव सो रहे हैं, आने दीजिये हम निपट लेंगे...'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आवारा कुत्तों से जुड़ी याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने राज्यों पर नाराजगी जताते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को

व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा जब 3 नवंबर को इस मामले की अगली सुनवाई होगी, तब सभी मुख्य सचिवों को सशरीर पेश होना ही होगा। कोर्ट ने कहा कि सभी सचिव सो रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से जब पेश होंगे तो हम उनसे निपट लेंगे। इसी के साथ कोर्ट ने राज्यों को फटकार भी लगाई।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शीर्ष अदालत उन समस्याओं से निपटने की कोशिश में समय बर्बाद कर रही है, जिन्हें नगर निगम और राज्य सरकारों द्वारा वर्षों से हल किया जाना चाहिए था।

सभी मुख्य सचिव खुद आकर दें जवाब

सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा जब हम मुख्य सचिवों से हलफनामा दाखिल करने के लिए कहते हैं, तो वे इस पर चुप्पी साधे रहते हैं। हमारे आदेश का कोई सम्मान नहीं है। ठीक है, उन्हें आने दीजिए। हम उनसे निपट लेंगे। उन्हें स्वयं आकर बताना होगा कि अनुपालन हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया। बता दें कि अब तक केवल दिल्ली, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना ने ही हलफनामे दाखिल किए हैं।

वर्चुअली पेश होने की मांगी थी इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस निवेदन को मानने से मना कर दिया कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर बाकी राज्यों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में 3 नवंबर को कोर्ट के सामने वर्चुअली पेश होने की इजाजत दी जाए। मेहता ने जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच के सामने यह मामला उठाया, जिसने यह साफ कर दिया कि मुख्य सचिव को 3 नवंबर को कोर्ट के सामने खुद पेश होना होगा।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

जांच एजेंसी वकीलों को नोटिस नहीं भेज सकतीं, एसपी से परमिशन लेनी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, 'जांच एजेंसियां किसी भी वकील को तब तक समन नहीं कर सकतीं, जब तक पुलिस अधीक्षक की लिखित मंजूरी न हो। यह कदम वकील और मुवक्किल के बीच की गोपनीयता के अधिकार की रक्षा के लिए जरूरी है। इस आदेश के साथ ही कोर्ट ने ईडी के सीनियर एडवोकेट अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को भेजे गए समन को भी रद्द कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजरिया की बेंच ने यह फैसला खुद से नोटिस मामले में सुनाया है। दरअसल, यह मामला ईडी के वकीलों अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को मनी लॉन्ड्रिंग जांच में समन भेजने से जुड़ा

दार्जिलिंग महाकाल मंदिर में महिलाओं के लिए ड्रेस कोड

नई दिल्ली। दार्जिलिंग स्थित महाकाल मंदिर में लड़कियों के छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर प्रबंधन ने मंदिर की गरिमा और पवित्रता बनाए रखने के

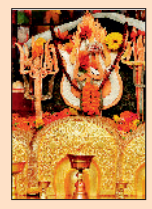

लिए ये निर्णय लिया है। मंदिर समिति ने दक्षिण भारत के मंदिरों की तर्ज पर ड्रेस कोड के इस फैसले को लागू किया गया है। मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर और दिल्ली के कालका जी मंदिर में भी यह नियम लागू हैं। अब दार्जिलिंग का महाकाल मंदिर देश का तीसरा ऐसा मंदिर बन गया है, जहां लड़कियों के छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर गेट के बाहर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें लिखा है कृपया मंदिर में प्रवेश से पहले उचित परिधान धारण करें। शार्ट्स, मिनी स्कर्ट, स्लीवलेस टॉप प्रतिबंधित। इधर, समिति ने भक्तों की सुविधा के लिए डोनेशन काउंटर पर चूड़ीदार और घाघरा रखवाए हैं। जो अनजाने में छोटे कपड़े पहनकर आ जाएं, वे वहां से सस्ते दाम पर किराए पर ले सकते हैं।

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और ईडी से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने दिया दस दिन का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की उस याचिका पर केंद्र और प्रवर्तन निदेशालय से शुक्रवार को जवाब मांगा, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों और राज्य में कथित शराब घोटाले में जांच एजेंसी द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू को 10 दिन के भीतर

याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बागची ने राजू से पूछा, "गिरफ्तारी के आधार से ज्यादा यह कानून की व्याख्या का मामला है... आप आरोपी को कितने समय तक हिरासत में रख सकते हैं?" ईडी ने 18 जुलाई को चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। ▶▶शेष पेज 4 पर

सॉलिसिटर ने कोर्ट में रखा अपना पक्ष

सॉलिसिटर राजू ने दलील दी कि इस अदालत ने संघीय एजेंसी को जांच पूरी करने के लिए तीन महीने का समय दिया है और ईडी उसी दिशा में काम कर रही है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को अमीर लोगों द्वारा सीधे कोर्ट में आकर आपराधिक मामलों में राहत मांगने के चलन की निंदा की थी। अदालत ने भूपेश बघेल और उनके बेटे से कहा था कि वे केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में राहत के लिए उच्च न्यायालय जाएं।

चीन-रूस को दिखाने ट्रंप करवाने जा रहे परमाणु बम टेस्ट

वाशिंगटन। अमेरिका एक बार फिर अपनी परमाणु ताकत का प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्रालय पेंटागन को जल्द से जल्द न्यूक्लियर टेस्ट शुरू करने का आदेश दिया है। इस

कदम का उद्देश्य चीन और रूस जैसी परमाणु शक्तियों के बराबर अपनी क्षमता को प्रदर्शित करना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने के निर्देश पर विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता के लिए चिंताजनक कदम होगा। अमेरिका ने आखिरी बार 23 सितंबर 1992 को परमाणु परीक्षण किया था, जिसका नाम 'डिवाइडर' रखा गया था। यह उसका 1,030वां न्यूक्लियर टेस्ट था। यह परीक्षण नेवादा रेगिस्तान की रेनियर मेसा पहाड़ियों के नीचे करीब 2,300 फीट गहराई में किया गया था।

राज्य निर्माण के 25 सालों में छत्तीसगढ़ का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से काफी विकसित

दो फ्लाइट से शुरू हुई थी उड़ान और अब छग के आकाश में 30 विमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निर्माण के 25 सालों में छत्तीसगढ़ का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से काफी विकास हुआ है। प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे इस राज्य में परिवहन के साधन भी उसी रूप में विकसित हुए हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2000 के पहले माना एयरपोर्ट से केवल दिल्ली और मुंबई की फ्लाइट संचालित होती थी। यह विमान भी उन शहरों से आकर क्रमशः नागपुर और विशाखापट्नम होकर लौटता था। आज की स्थिति में यहां से प्रतिदिन तीस विमान सुबह से लेकर रात तक आवाजाही कर रहे हैं। रायपुर हवाई मार्ग के जरिए चारों महानगरों के साथ दर्जनभर शहरों से कनेक्ट हो चुका है। रायपुर से अब राजधानी दिल्ली के लिए रोजाना आठ उड़ानें संचालित हो रही हैं।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष

रायपुर में माना एयरपोर्ट अधिकारिक तौर पर 1975 से सक्रिय है। उस दौरान एक छोटी फ्लाइट रायपुर से जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर होकर दिल्ली का सफर सात से आठ घंटे में पूरा करती थी। उस दौरान ▶▶शेष पेज 4 पर

2012 में हुआ नामकरण

जानकारों की मानें, तो द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इसका उपयोग शुरू हुआ और 1942 में इसे विकसित किया गया।

वर्ष 1975 में अधिकारिक तौर पर इसे सक्रिय किया गया। वर्ष 2012 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इसके नए एकीकृत टर्मिनल भवन का लोकार्पण किया था। करीब डेढ़ सौ करोड़ की लागत से इस डेढ़ हजार यात्रियों की क्षमता वाले इस भवन के उद्घाटन के साथ वर्ष 2012 में विमानतल का नामकरण दार्शनिक स्वामी विवेकानंद के नाम पर किया गया।

पहले दिल्ली और मुंबई से आकर नागपुर और विशाखापट्नम से होती थी वापसी

अब चारों महानगर के साथ दर्जनभर शहरों की नियमित फ्लाइट, सर्वाधिक आठ दिल्ली की

रोजाना 7 हजार यात्री

राज्य निर्माण के पहले रायपुर एयरपोर्ट से गिनती के यात्री सफर करते थे। अब की स्थिति में यहां से प्रतिदिन 6 से 7 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है। यहां से कार्गो सेवा की शुरुआत भी की जा चुकी है और आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय विमान प्रारंभ करने की तैयारी है। राज्य में रायपुर के इस प्रमुख एयरपोर्ट के अलावा जगदलपुर और बिलासपुर में फ्लाइटों की आवाजाही के लिए विमानतल सक्रिय है। आने वाले दिनों में अंबिकापुर और रायगढ़ में भी विमान सेवा शुरू करने की तैयारी है।

चिंतन

आतंकवाद से निपटने को एकजुट हो दुनिया

विचार
रामविचार नेताम

भारत हमेशा से ही मानता रहा है कि आतंकवाद न केवल पूरी दुनिया बल्कि मानव सभ्यता के लिए घातक है, लेकिन अनेक देश तेरा आतंकवाद, मेरा आतंकवाद की सोच को लेकर इसके पोषण में लगे रहे। यही कारण रहा है कि आतंकी संगठन इतने मजबूत हो गए कि अनेक देशों का राजतंत्र ही उनके हाथों में चला गया। ऐसा ही एक आतंकी संगठन है अलकायदा। ये आतंकी संगठन अब अफ्रीका महाद्वीप में स्थित माली पर कब्जे के करीब पहुंच गया है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि कुछ ही दिनों में माली की सत्ता अलकायदा के हाथों में होगी। यह देश लंबे समय से आतंकी हिंसा और नाकेबंदी का सामना कर रहा है। माली में नागरिक सरकार के पतन के बाद विद्रोहियों ने रूस और चीन की मदद से सरकार चलाने की कोशिशें की थी, लेकिन वो नाकाम रहे। इस बीच अलकायदा के आतंकवादियों ने मौका देखकर राजधानी बमाको को घेर लिया। उन्होंने राजधानी में ईंधन की सप्लाई रोक दी है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि जल्द ही बमाको पर अलकायदा कब्जा कर लेगा। इसी के साथ पूरा माली उनके नियंत्रण में होगा। दर्जनों देशों अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों को तुरंत माली छोड़ने को कहा है। पश्चिम अफ्रीका में स्थित माली चारों ओर से जमीन से घिरा देश है जिसकी सीमाएं अल्जीरिया, नाइजर, बुर्किना फ़ासो, कोट डी आइवर, गिनी, सेनेगल और मॉरिटानिया से लगती हैं। अल-कायदा से जुड़े एक आतंकवादी समूह, जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन ने सितंबर में ईंधन नाकेबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद से ही माली एक अभूतपूर्व संकट की चपेट में है। किसी भी समय अलकायदा इस पर कब्जे का ऐलान करने वाला है। अलकायदा 1988 में ओसामा बिन लादेन और उसके सहयोगी मोहम्मद अतेफ द्वारा सोवियत आक्रमण के खिलाफ अफगानिस्तान में लड़ने वाले अरबों को एक साथ लाने के लिए बनाया गया था। यह वैश्विक नेटवर्क के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है। इसके 60 से अधिक देशों में आतंकवादी सेल शामिल हैं। अलकायदा ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका विशेष रूप से ब्रुकलिन में अलकिफा शरणार्थी केंद्र सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कार्यालय बना रखे बताए जा रहे हैं। पश्चिम के प्रभाव के खिलाफ इस्लामिकता को जोर देने वाले इस संगठन की वैश्विक पहुंच है। अल्जीरिया, मिस्र, मोरक्को, तुर्की, जॉर्डन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, सीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, म्यांमार, इंडोनेशिया, फिलीपींस का मिंडानाओ, लेबनान, इराक, सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, यमन, लीबिया, ट्यूनीशिया, बोस्निया, कोसोवो, चेचन्या, दागिस्तान, सूडान, सोमालिया, केन्या, तंजानिया, अजरबैजान, इरिट्रिया, युगांडा, इथियोपिया, इसके सेल बताए जा रहे हैं। हाल की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अलकायदा ने रासायनिक और जैविक युद्ध के प्रयोग भी शुरू कर दिए हैं। वो अलग-अलग देशों में अपने कैंप में ऐसे प्रयोगों को कर रहा है, जो पूरी दुनिया के लिए घातक होंगे। इन्हें रोकने के लिए जरूरी है कि पूरी विश्व बिरादरी एकजुट होकर आतंकवाद का विरोध करे और इन संगठनों को खत्म करने के लिए एकजुट हो। नहीं तो वो दिन दूर नहीं, जब ये संगठन दुनियाभर में तबाही का कारण बनेंगे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा

> गीतों में, स्मारकों में, कथाओं में और आदिवासी चेतना के हर नारे में। "धरती आबा" यानी धरती का पिता। यह संबोधन केवल सम्मान नहीं बल्कि, उस भाव विश्व का प्रतीक है, जिसमें भूमि, जल, जंगल, समाज और ईश्वर सभी एक ही जीवनचक्र के अविभाज्य अंग हैं। बिरसा मुंडा लोक स्मृति में किसी देवता की तरह प्रतिष्ठित हुए हैं। वे लोकगीतों में "धरती के रक्षक" ''अंधकार में प्रकाश" और "अपनों की अस्मिता के रखवाले" के रूप में गाए जाते हैं। उनकी यह छवि इतिहास से अधिक जन विश्वास में जीवित है, क्योंकि इतिहास उनके संघर्ष को सीमित रूप में लिखता है, लेकिन लोकगीत उसे आत्मा से जीता है।

इतिहास के पन्नों में बिरसा मुंडा का नाम भले ही 25 वर्ष की छोटी आयु में समाप्त हो गया हो, परंतु लोक जीवन में वे आज भी जीवित हैं। गीतों में, स्मारकों में, कथाओं में और आदिवासी चेतना के हर नारे में। "धरती आबा" यानी धरती का पिता। यह संबोधन केवल सम्मान नहीं बल्कि, उस भाव विश्व का प्रतीक है, जिसमें भूमि, जल, जंगल, समाज और ईश्वर सभी एक ही जीवनचक्र के अविभाज्य अंग हैं। बिरसा मुंडा लोक स्मृति में किसी देवता की तरह प्रतिष्ठित हुए हैं। वे लोकगीतों में "धरती के रक्षक" ''अंधकार में प्रकाश" और "अपनों की अस्मिता के रखवाले" के रूप में गाए जाते हैं। उनकी यह छवि इतिहास से अधिक जन विश्वास में जीवित है, क्योंकि इतिहास उनके संघर्ष को सीमित रूप में लिखता है, लेकिन लोकगीत उसे आत्मा से जीता है। झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बिहार के जनपदों में बिरसा मुंडा से जुड़ी कई लोककथाएं और लोकगीत आज भी प्रचलित हैं। इनमें उन्हें ईश्वर समान लोकदेव के रूप में स्मरण किया जाता है। एक प्रचलित मुंडारी गीत प्रस्तुत है-

''धरती आबा बिरसा रे,
जंगल-पानी के रखवाला रे।
हुलगुलान में जनम लइला,
दिकू राज के तोड़ डाला रे।''

यह गीत उनके विद्रोह को एक पवित्र कर्म के रूप में प्रस्तुत करता है। यहां "दिकू" शब्द बाहरी शोषक के लिए है और "हुलगुलान" (उलगुलान) सामाजिक-आर्थिक अन्याय के विरुद्ध जनक्रांति का प्रतीक बन जाता है। आदिवासी महिलाओं के गीतों में बिरसा "भाई", "पति", या "धरती के लाल" के रूप में पुकारे जाते हैं। कई गीतों में उनकी गिरफ्तारी और मृत्यु का करुण चित्र मिलता है -

''रांची जेल में बिरसा सोवेला,
ओ धरती आबा उठ जा रे,
हमर खेत, हमर जंगल पुकारत हवे।''

इन गीतों में ऐतिहासिक दुःख लोक-शोक में बदल जाता है। वे केवल बिरसा की मृत्यु नहीं गाते, बल्कि उस भूगोल का विलाप करते हैं, जहां जंगल और आदमी दोनों कैद हो गए। लोक कथाओं में कहा जाता है कि बिरसा जब पहाड़ों में प्रवचन देते थे, तो पेड़-पौधे झुक जाते थे, हवा थम जाती थी और पक्षी उनका नाम जपते थे। कई जनश्रुतियों के अनुसार- मृत्यु के बाद वे "धरती में विलीन" नहीं हुए, बल्कि "धरती में समा गए" यही कारण है कि लोग उन्हें "धरती आबा" कहते हैं। इन जनश्रुतियों में इतिहास मिथक का रूप लेता है और मिथक लोक आस्था का। इस प्रकार बिरसा का व्यक्तित्व इतिहास और धर्म के बीच पुल बन जाता है। एक ऐसा लोक ईश्वर, जो न्याय और अस्मिता दोनों का प्रतीक है। 19वीं सदी के अंतिम दशकों में छोटा नागपुर का भू-सामाजिक ढांचा तेजी से बदल रहा था। अंग्रेजी शासन ने परंपरागत "खूंटकट्टी" भूमि-प्रणाली को तोड़ा और भूमिहीनता फैली। 'दिकू' (बाहरी व्यापारी, महाजन, जमींदार) आदिवासी भूमि पर कब्जा करने लगे। यही वह पृष्ठभूमि थी, जहां बिरसा के नेतृत्व में स्वराज समान चेतना जन्मी। 1895-97 बिरसा ने धार्मिक सुधार आंदोलन शुरू किया, जिसमें शराबबंदी, पशुबलि का विरोध और शुद्ध आचरण का प्रचार। 1897-98 में उन्होंने सामाजिक संगठन को राजनीतिक स्वर दिया। "अबुआ

राज" (अपना राज) की घोषणा हुई। 1899-1900 में उलगुलान अपने चरम पर पहुंचा। सैकड़ों गांवों ने भाग लिया। ब्रिटिश थानों और गिरजाघरों पर हमले हुए। इस चरण में बिरसा के अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाए। वे किसी बाहरी शासन को अस्वीकार करते हुए 'धरती के अपने कानून' को सर्वोपरि मानते थे। ब्रिटिश सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए विशेष सैन्य बल भेजा। सैकड़ों गांव जलाए गए, सैकड़ों लोग मारे गए। मार्च 1900 में बिरसा को जमकोपाई जंगल से गिरफ्तार किया गया और रांची जेल में डाल दिया गया।

09 जून 1900 को उनकी मृत्यु हो गई। केवल 25 वर्ष की आयु में। परंतु इस "पराजय" ने भी आंदोलन को अमर बना दिया। उनकी शहादत ने आदिवासी आत्म-गौरव को वह स्वर दिया जो आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन में गूंज उठा। बिरसा के आंदोलन ने जो शब्दावली रची वह आज भी आदिवासी राजनीतिक और सांस्कृतिक आंदोलनों की आत्मा है। "अबुआ राज एते जना, महारानी राज तुन्दु जना" (अब हमारा राज होगा, रानी का नहीं)। "जंगल, जल, जमीन" यह तीन शब्द आज भी भारत के आदिवासी आंदोलनों की रीढ़ हैं। लोकगीतों में बिरसा को "धरती का कानून" कहा जाता है अर्थात वह न्याय जो किसी शासन से नहीं बल्कि प्रकृति और समाज से जन्म लेता है। इस नजरिए से उलगुलान केवल विद्रोह नहीं था, बल्कि एक "लोकन्याय दर्शन" था, जिसमें जीवन और प्रकृति की एकता सर्वोपरि थी। बिरसा मुंडा ने धर्म और संस्कृति को प्रतिरोध का आधार बनाया। उन्होंने कहा "ईश्वर एक है और वह धरती में बसता है।" उनकी इस धारणा ने मुंडा समाज में एक नई धार्मिक धारा को जन्म दिया। बिरसाइत पंथ जो आज भी झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में जीवित है। इस पंथ की विशेषताएं हैं -

एकेश्वरवाद- जो सत्य, संयम, श्रम और सामुदायिक जीवन का आदर्श है। बाहरी धार्मिक हस्तक्षेप का विरोध, समाज में समानता और नारी-सम्मान। इस पंथ ने आदिवासी समाज को आत्म परिचय का भाव दिया, और "ईसाई या हिंदू" होने के दबाव से मुक्त किया। भारतीय साहित्य, विशेषकर हिंदी, उर्दू और आदिवासी भाषाओं में बिरसा मुंडा एक प्रतीक बन चुके हैं। महाश्वेता देवी के उपन्यास "अरन्योर अधिकार" में बिरसा का जीवन-संघर्ष महाकाव्य रूप में उभरता है। रामदयाल मुंडा, जयपाल सिंह मुंडा, और नंदलाल पुरोहित जैसे रचनाकारों ने उनके जीवन को लोकगाथा और आधुनिक इतिहास के बीच सेतु बनाया। छत्तीसगढ़ी, मुंडारी, नागपुरी भाषा में बिरसा पर अनेक गीत और नाट्य रूपांतरण हुए हैं। इन रचनाओं में बिरसा केवल एक नेता नहीं बल्कि लोकनायक हैं जो धरती के अधिकारों के लिए लड़े और स्वयं धरती का प्रतीक बन गए। आज भारत में जब हम "जनजातीय गौरव दिवस" (15 नवम्बर) मनाते हैं तो यह केवल एक स्मृति दिवस नहीं है। यह लोक समानता की पुकार है। बिरसा का दर्शन हमें बताता है कि विकास का अर्थ जंगल काटना नहीं, बल्कि जंगल के साथ जीना है। उनका संघर्ष हमें यह भी सिखाता है कि संस्कृति का सम्मान किए बिना कोई भी आधुनिकता टिकाऊ नहीं हो सकती। उनकी विचारधारा आज भी भारत के कई आदिवासी आंदोलनों में गूंजती है। जैसे- नर्मदा बचाओ आंदोलन, झारखंड राज्य आंदोलन, डोंगरिया कोंधों का वनाधिकार संघर्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में जल, जंगल, जमीन के अधिकार हेतु जन आंदोलन। इन सबके पीछे बिरसा की दी हुई चेतना आज भी सक्रिय है। एक मौन किंतु जीवंत प्रेरणा के रूप में। मैं उनके लोकगीतों का स्मरण करते हुए यही कहना चाहूंगा कि धरती आबा बिरसा, तोरे नाम से उजियार,

तोरे लहू से जनम लइला, हमर आत्म-अभिमान संसार।

लेखक- मंत्री, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग, मछलीपालन, पशुधन विकास छ.ग. शासन, नवा रायपुर (छ.ग.)।

सारा संसार

लोहागढ़ किला समुद्र तल से 3400 फीट की ऊंचाई पर स्थित यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल और महाराष्ट्र की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहर में से एक है। महाराष्ट्र का यह प्रसिद्ध किला पुणे से लगभग 52 किलोमीटर और लोनावाला हिल स्टेशन से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। महाराष्ट्र के प्रमुख किले में में से एक लोहागढ़ का किला 18 वीं शताब्दी का किला हैं जोकि ऐतिहासिक महत्व के साथ साथ अलग-अलग समय में कई राजवंशों के लिए शक्ति का प्रमुख केंद्र रहा है। लोहागढ़ किला अपने आप में एक विशाल संरचना है जो कभी शक्तिशाली मराठा साम्राज्य के नियंत्रण में था। माना जाता हैं कि यह वही किला हैं जिसमे छत्रपति शिवाजी महाराज अपना खजाना रखते थे।

युवा शक्ति के 25 स्वर्णिम वर्ष

बृजमोहन अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की रजत जयंती 'एक गौरवगाथा'

छत्तीसगढ़ अब अपने स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने जा रहा है। एक युवा राज्य, जो अपनी संस्कृति, संसाधन और संघर्ष की शक्ति के बल पर नए भारत के विकास का प्रतीक बन चुका है। यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि उन सपनों को याद करने का भी है, जिनके बीज भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने बोए थे। उनकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास ने इस धरती को उसकी अपनी पहचान दी, 'छत्तीसगढ़ राज्य' के रूप में।

पौने तीन दशक की यह यात्रा किसी साधारण प्रदेश की कहानी नहीं है। यह उस मिट्टी का गौरवगान है जिसने अपने परिश्रम, अपने विश्वास और अपनी अस्मिता से असंभव को संभव किया। आज जब हम रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो यह गर्व से कह सकते हैं कि छत्तीसगढ़ केवल 25 वर्ष का राज्य नहीं, बल्कि 25 वर्षों का अनुभव, ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरा हुआ युवा प्रदेश है, जिसकी आंखों में नए भारत का उज्जवल सपना झिलमिला रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ संकल्प से इस प्रदेश ने लाल आतंक पर निर्णायक प्रहार किया है, वह अपने आप में इतिहास बन गया है। कभी भय और असुरक्षा से जूझता यह प्रदेश आज विकास के सूरज से आलोकित है। आत्मनिर्भरता, सुशासन और सुरक्षा, इन तीन स्तंभों पर अब नया छत्तीसगढ़ मजबूती से खड़ा है। 1 नवंबर को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी रजत जयंती समारोह में सम्मिलित होंगे, तो यह उन सभी स्वप्नदृष्टाओं के प्रति श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने छत्तीसगढ़ को उसकी अस्मिता दी। वहीं 5 नवंबर को रायपुर के आसमान में भारतीय वायुसेना की 'सूर्य किरण एरोबेटिक टीम' का भव्य हवाई प्रदर्शन इस उत्सव को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह केवल आकाश में रंगों की परतें नहीं होंगी, बल्कि एक संदेश होगा कि छत्तीसगढ़ अब खुले आसमान में आत्मविश्वास के साथ उड़ान भरने को तैयार है।इस रजत जयंती पर, एक जनप्रतिनिधि के रूप में मैं यह प्रण करता हूं कि यह यात्रा अब स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर होगी। हमारी युवा शक्ति का जोश, मातृशक्ति का संकल्प, किसानों की कर्मनिष्ठा और उद्यमियों का कौशल, ये सभी मिलकर आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को भारत की विकास गाथा का अग्रदूत बनाएंगे। छत्तीसगढ़ अब सीमाओं में बंधा राज्य नहीं, बल्कि नई संभावनाओं की पहचान बन चुका है। इस रजत जयंती अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नारी सशक्तिकरण के मार्ग पर अपने इस राज्य को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे।

लेखक - रायपुर लोकसभा सांसद एवं पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

योगः कर्मसु कौशलम

संकलित
दर्शन

चित्तवृत्ति का भगवान में विलीन हो जाना योग है। यह महायोग बनता है भगवान की अहैतुकी कृपा से! श्रीरामचरितमानस में जहां भी योग है, वह केवल ईश्वर विषयक ही है। उसका सात्विक प्रयोजन और कोई नहीं है। श्री भरत चित्रकूट में भगवान के हृदय से मिलकर शून्य स्थिति को प्राप्त हो गए। न बुद्धि की सत्ता रही, न मन की चंचलता। चित्त में कोई संस्कार शेष न रहा। यही स्थिति योगी की होती है। वह योग करते-करते ईश्वर से एकाकार होकर प्रेम रस से भर जाता है। उसकी वाणी अवरुद्ध हो जाती है और मन रिक्त हो जाता है। भक्त का योग जब भगवान से होता है, मन, बुद्धि और चित्त के साथ साधन अहं शून्य हो जाता है। मन, बुद्धि, चित्त और अहं की स्वीकृति केवल साधन काल में ही होती है, पर साध्य की परम प्राप्ति में इनकी विस्मृति ही योग है। श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्याय योग हैं। अर्जुन विषाद योग से प्रारंभ होकर गीता की 18 योगों की नदियां मोक्ष संन्यास योग बनकर श्रीकृष्ण समुद्र में जाकर पूर्णता को प्राप्त हो जाती हैं। द्वापर में जितना भार श्रीकृष्ण ने उठाया, उतना त्रेता में श्रीराम को नहीं उठाना पढ़ा, क्योंकि श्रीराम के साथ के लोग अनुकूल थे। उनका काल उनके अनुकूल था, जबकि भगवान कृष्ण को तो सारी गीता सुना-समझाकर, अपनी योगस्थिति को बाजी पर लगाकर अर्जुन से कहना पड़ा कि जितने धर्म मैंने तुझे बताए हैं, तू उन सबको छोड़कर मेरी शरण में आ जा, मैं तुझे सारे पापों से मुक्त कर तुझे भी मुक्त कर दूंगा।

तुलसीदास जी की विप्रचंद ब्राह्मण पर कृपा

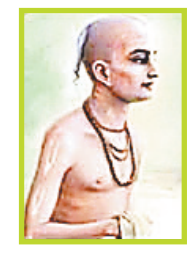

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक विप्रचंद नामक ब्राह्मण से हत्या हो गयी और उस हत्या के प्रायश्चित के लिए वह अनेक तीर्थों में घूमता हुआ काशी आया। वह मुख से पुकार कर कहता थाः राम राम! श्री गोस्वामी जी ने उसके मुख से अपने इष्टदेव का अतिसुंदर राम नाम सुनकर उसे अपने निवास स्थान पर बुला लिया और उसे हृदय से लगा लिया। फिर उसे अपनी पंक्ति में बैठकर प्रसाद पवाया, जिससे वह शुद्ध हो गया। काशी के ब्राह्मणों ने जब यह बात सुनी तो उन्होंने एक सभा की और उसमें गोस्वामी जी को बुलवाया। सभी पंडितो ने गोस्वामी जी से पूछा कि प्रायश्चित पूरा हुए बिना ये ब्राह्मण कैसे शुद्ध हो गया? भगवन्नाम के प्रताप से ही यह ब्राह्मण भी शुद्ध हो गया। गोस्वामी जी ने पूछा कि फिर आपको कैसे होगा वह उपाय कहिये? इसपर ब्राह्मणों ने कहाः यदि इस व्यक्ति के हाथ से भगवान शंकर के नंदी जी प्रसाद खा लें तो हम लोग इसे अपनी जाति, पंगति में ले अथवा नहीं। सब लोग काशी में ज्ञानवापी नदी के तट पर पहुंचे जहाँ शर्त रखी गयी थी। श्री गोस्वामी जी ने नन्दीश्वर से कहाः हे नंदीश्वर ! यदि यह ब्राह्मण राम नाम के प्रताप से शुद्ध हो गया है तो आप इसके हाथ से प्रसाद स्वीकार करके नाम की महिमा को प्रमाणित कीजिये। नन्दीश्वर ने प्रसन्नता के साथ प्रसाद स्वीकार कर लिया। इस चमत्कार को देखकर सभी श्री रामचंद्र जी की एवं रामनाम की जय जयकार करने लगे और श्रीतुलसीदास जी की नामनिष्ठा पर बलिहार हो गए।

अंतर्मन

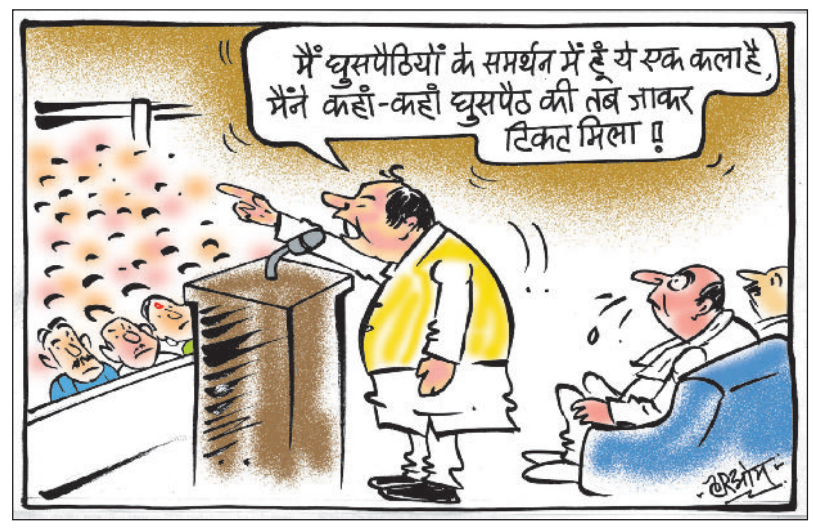

आज की पाती

अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी

कम करें, पुनः उपयोग करना, रीसायकल करना एक ऐसा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन है, जो सामाजिक रूप से स्वीकार्य और पर्यावरण के अनुकूल है। अपशिष्ट उत्पाद आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। यह दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले प्रदूषण का कारण बनता है। कम करना, पुनः उपयोग करना और रीसायकल करना भूमि, वायु और जल प्रदूषण के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक को खत्म करने के तीन बेहतरीन तरीके हैं। कम करने का मतलब है कि अपशिष्ट की मात्रा कम हो जाती है। अपशिष्ट में कमी का सीधा मतलब है उन चीजों को कम करना जिन्हें हम उपयोग करते हैं और केवल वही उपयोग करते हैं जो आवश्यक है।

-उमेश वर्मा, भाटापारा

विद्युत विकास : उम्मीद से विश्वास का सफर

राज्य स्थापना की रजत जयंती के उत्साह के बीच प्रदेश के विकास को विभिन्न पैमानों पर मापा जा रहा है। छत्तीसगढ़ ने बीते ढाई दशकों में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। आधारभूत क्षेत्रों में देश के कई प्रदेशों से हम बहुत बेहतर कर पा रहे हैं यह अहसास उत्साहजनक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार जैसे प्रमुख पैमानों में राज्य की उपलब्धियों को मजबूत आधार देती है विद्युत ऊर्जा। प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र का विकास सभी को चमत्कृत और उज्ज्वल भविष्य का विश्वास दिलाता है। राज्य गठन उपरांत ढाई दशक में ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति की यात्रा में कई मील के पत्थर स्थापित हुए हैं। इस दौरान राज्य में 300 प्रतिशत विद्युत उपभोक्ता तो बढ़े ही पर बढ़ती संख्या के साथ गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करना विशेष उपलब्धि से कम नहीं। महज 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ में 5 गुना वृद्धि के साथ आज 30,000 मेगावॉट की उत्पादन क्षमता प्राप्त कर ली गई है। विद्युत की अधिकतम मांग 500 प्रतिशत बढ़कर 7000 मेगावॉट के आँकड़े को पार कर आगे निकल चुकी है। 800 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 6 लाख स्थाई कृषि पम्प हों या औद्योगिक उपभोक्ताओं में ढाई गुना बढ़ोतरी के साथ 41 हजार औद्योगिक इकाइयाँ, सभी राज्य के विकास को आधार प्रदान कर रहे हैं। 2211 यूनिट खपत के साथ प्रति व्यक्ति विद्युत खपत के मामले में पूरे देश के पाँच प्रमुख राज्यों में छत्तीसगढ़ शामिल है जो गौरव की बात है और साथ ही ये आँकड़े भविष्य की प्रगति और समृद्धि के लिए हमें आश्वस्त भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना में ऊर्जा क्षेत्र की सबसे अहम भूमिका है और ऐसे में अगले तीन दशक की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करना व्यापक कार्ययोजना से ही संभव है। सच तो यह है कि स्थापना के 25 वें वर्ष में जिस लक्ष्य को लेकर हम आगे बढ़ेंगे वो हमारी स्थापना के 50 वें वर्ष को अधिक सुखमय और समृद्ध बनाने का काम करेगा। देश में विद्युत की खपत अगले दस वर्षों तक लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और वर्ष 2047 में देश में अधिकतम मांग 750 गीगावॉट तक जा पहुंचेगी। ऐसे में मिशन मोड पर विद्युत ऊर्जा उत्पादन की आवश्यकता होगी जो वर्तमान में 270 गीगावॉट है। छत्तीसगढ़ ने विद्युत विकास की ऐसी रूपरेखा तैयार की है जिससे ऊर्जा की निरंतरता बनी रहे। राज्य बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ ऊर्जा समृद्धि प्राप्त करने की इस दिशा में बढ़ चुका है। इसके तहत इसी वर्ष तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश को आमंत्रित करने में पहली सफलता अर्जित की गई। आने वाले एक दशक में प्रदेश में 31 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। छत्तीसगढ़ में विद्युत ऊर्जा का इतिहास तो एक शताब्दी से कुछ ऊपर का है पर ऊर्जा की सार्वजनिक उपयोगिता, सुलभता और आमजन के जीवन को रोशन करने का इतिहास लगभग सात दशक में फैला है। एक प्रदेश के लिए 25 वर्षों की विकास यात्रा बहुत लंबी नहीं लेकिन उसकी दिशा तय करने में यह शुरूआती कालखण्ड सबसे महत्वपूर्ण है। विद्युत क्षेत्र में 25 वर्षों के इस कालखण्ड में जो विकास हुआ है उसे हम अपने स्वर्ण काल की तैयारी के रूप में दर्ज कर सकते हैं।

- विकास शर्मा, प्रबंधक (जनसंपर्क एवं औद्योगिक संबंध)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

करंट अफेयर

एपेक नेताओं ने की आर्थिक शिखर सम्मेलन की शुरूआत

एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चिनफिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती करेंगे जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जतायी है। ट्रंप एवं चिनफिंग के बीच बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। विशेषज्ञों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार संबंधी तनाव को कम करने में विफलता से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और बढ़ेंगी। वर्ष 1989 में बढ़ते वैश्वीकरण के दौर में स्थापित एपेक वैश्विक व्यापार के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

ऑफ बीट

क्या तकनीक हमारी हवा को साफ़ कर सकती है?

2018 में, घर में हवा को साफ करने के उद्देश्य से उत्पादों के साथ-साथ वायु-गुणवत्ता सेंसर में रुचि को बढ़ावा मिला। मुझे तब आश्चर्य हुआ कि क्या वायु निस्पंदन यूरोप में गति पकड़ेगा और क्या यह पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ या सामाजिक रूप से न्यायसंगत है। वह पूर्व-कोविड का समय था। जबकि इनडोर एयर फिल्टर अभी भी सर्वव्यापी नहीं हैं, मैंने 2018 में जितना अनुमान लगाया था उससे कहीं अधिक आज मैं देख रहा हूं। मेरा भविष्य का अनुमान लगाने का कौशल बहुत खराब है। यह सब मायने रखता है क्योंकि, विभिन्न इंजीनियरिंग सफलताओं को देखते हुए, अधिकांश अमीर देशों में दहन से "पारंपरिक" वायु प्रदूषण कणों (तथाकथित पीएम 2.5) का उत्सर्जन एक सदी या उससे अधिक में सबसे कम है। वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत बदल रहे हैं, वाहन उत्सर्जन में सुधार हो रहा है और नियंत्रण के लिए कम बड़े औद्योगिक उत्सर्जक बचे हैं। वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला सबसे बड़ा वैश्विक पर्यावरणीय कारक बना हुआ है, लेकिन दैनिक जीवन में प्रदूषण और इसके बारे में क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली
यात्रा के
रजत जयंती वर्ष
के ऐतिहासिक अवसर पर
छत्तीसगढ़ की नई पहचान
नवीन विधानसभा भवन का
लोकार्पण
यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के कर कमलों से
होने पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
शनिवार, 01 नवंबर 2025
नवीन विधानसभा परिसर, नया रायपुर
विनीत : छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय

खबर संक्षेप

अजहरुद्दीन बने रेवंत सरकार में मंत्री

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना सरकार ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया है। अजहर ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में आयोजित एक समारोह में, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में पूर्व भारतीय क्रिकेटर को शपथ दिलाई।

पंजाब में आतंकी पन्नू के 3 गुर्गे पकड़े गए

चंडीगढ। पंजाब पुलिस ने आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से जुड़े 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये बठिंडा के गांव भिस्सियाना और मननवाला के स्कूलों की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख रहे थे। यह कार्रवाई अमेरिका में बैठे संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के इशारे पर की जा रही थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। बठिंडा एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह विदेश में बैठे पवनप्रीत सिंह उर्फ दीप चाहल के वह टच में थे। उसके कहने पर उन्होंने ये नारे लिखे थे।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए ने जारी किया अपना घोषणापत्र

1 करोड़ नौकरियां, फ्री बिजली, हर जिले में फैक्ट्री, लखपति दीदी बनाने का वादा

एजेंसी ▶▶| पटना

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शुक्रवार को बिहार चुनाव के लिए अपने घोषणा-पत्र में युवाओं को एक करोड़ सरकारी नौकरियां देने सहित कई बड़े वादे किए हैं। पटना के एक होटल में पीसी में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री और एचएमए (एस) संरक्षक जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान, आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा, धमेंद्र प्रधान, सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल, संजय झा और ललन सिंह ने इसे जारी किया। एनडीए के पहली बार जारी हुए इस साझा मेनिफेस्टो में 1 करोड़ नौकरियां, फ्री बिजली, हर जिले में फैक्ट्री, 1 करोड़ लखपति दीदी बनाने जैसी कई अहम घोषणाएं हैं।

राज्य में 6 व 11 नवंबर को दो चरणों में वोटिंग व 14 को आएंगे नतीजे

एनडीए घोषणापत्र में किये गए ये वादे

- एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है
- बिहार में सड़कों का जाल बढ़ाने के लिए 7 एक्सप्रेए जाएंगे
- किसानों का भी एनडीए के घोषणापत्र में ध्यान रखा गया है। हर फसल पर एमएसपी की गारंटी दी जाएगी
- हर जिले में फैक्ट्री औधोगिक पार्क लगाने की योजना है
- 1 करोड़ सरकारी नौकरी और रोजगार देने का वादा किया गया है
- दरभंगा और पूर्णिया में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की योजना है।
- बिहार में 4 नए शहरों में मेट्रो का निर्माण होगा
- एजुकेशन सिटी का निर्माण किया जाएगा
- गरीब परिवार के लोगों को केजी से पीजी तक मुफ्त

महागठबंधन जारी कर चुका है 'तेजस्वी प्रण'

बता दें कि गत 28 अक्टूबर को इंडिया महागठबंधन ने अपना घोषणा पत्र 'तेजस्वी प्रण' जारी किया था जिसमें महागठबंधन की सरकार बनने पर 20 दिन के अंदर सरकारी नौकरी देने, जीविका दीदी को स्थायी दर्ज और 30 हजार प्रति माह वेतन देने सहित कई वादे किए गए थे।

एनडीए की पार्टियां इन सीटों पर लड़ रही चुनाव

बता दें कि बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। 6 नवंबर और 11 नवंबर को वोटिंग होगी और 14 नवंबर को मतगणना है। एनडीए गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 101, नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) 29 सीटों पर, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) 6 और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा 6 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

एनडीए का घोषणापत्र दिखावा : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने एनडीए के चुनावी घोषणा पत्र को पुराने वादों का दोहराव बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया और अब वही बातें फिर से कह दी गईं। तेजस्वी ने तंज करते हुए कहा कि यह घोषणा पत्र सिर्फ 30 सेकेंड में जारी कर दिया गया, जैसे बस दिखावा किया गया हो। तेजस्वी ने कहा, नए वादे करने से पहले पुराने वादे पूरे करने चाहिए थे।

30 सेकंड की प्रेस वार्ता में जारी कर दिया घोषणापत्र

कांग्रेस पार्टी के नेता अशोक गहलोत ने बीजेपी और सहयोगी दलों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव के लिए एनडीए ने सिर्फ 30 सेकंड की प्रेस वार्ता में घोषणापत्र जारी किया। वे सवालों का सामना करने से डरते हैं।

एनडीए पर बरसे पीके

एनडीए के घोषणापत्र पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'पिछले 15-20 सालों में सत्ता में बैठे लोगों को बिहार की जनता ने कई मौके दिए हैं। जनता देख रही है कि वे हर बार एक ही बात कहते हैं।

इंडी गठबंधन गरीबों के राशन पर डकैती डालने वाला : योगी

गड़हनी की चुनावी सभा में गरजे यूपी के सीएम

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के गड़हनी में एक चुनावी रैली के दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तगड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये इंडी गठबंधन जो आज कम्युनिस्ट, राजद या कांग्रेस के नाम पर आया है, ये इसलिए आया है जिससे वे गरीबों के राशन पर डकैती डाल सकें। पुराना अनुभव है कि पहले आरजेडी के समय में गरीबों को राशन नहीं मिलता था। गरीबों के राशन को तो उन्होंने खाया ही खाया, पशुओं का चारा भी वे खा गए। ये वही लोग हैं जिन्होंने नौकरी नहीं दी बल्कि नौकरी के नाम पर आपके पैरों के नीचे की जमीन को हड़पने का काम किया, ये वही लोग हैं जिन्होंने किसानों की जमीनों पर कब्जा करवाया। इसके पहले सीवान में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने हमेशा हमारी विरासत का अनादर किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया क्योंकि उसने सरदार पटेल, आंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद, कर्पूरी ठाकुर का अपमान किया।

तेजस्वी महुआ आए तो मैं उनके खिलाफ करूंगा प्रचार : तेज प्रताप

पटना। जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव महुआ में उनके खिलाफ प्रचार करते हैं, तो वह भी राघोपुर जाकर तेजस्वी के खिलाफ प्रचार करेंगे। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप ने साफ कहा कि अगर उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव महुआ में उनके खिलाफ प्रचार करने जाएंगे, तो वह भी राघोपुर जाकर तेजस्वी के खिलाफ प्रचार करेंगे। उन्होंने बिहार की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और बहन रोहिणी के बयान का जवाब दिया। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की बयानबाजी में नया मोड़ आ गया है। बता दें, तेजस्वी यादव राघोपुर से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि तेज प्रताप महुआ से चुनाव मैदान में हैं। दोनों के बीच यह चुनाव राजनीतिक और पारिवारिक दोनों स्तर पर चर्चा में है। इसी बीच तेज प्रताप यादव ने साफ कहा कि राजनीति अपनी जगह है और वह अपने सिद्धांतों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

25 साल का हुआ ....

एवं शिलान्यास भी करेंगे। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

नए विधानसभा भवन का उद्घाटन- प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 11:45 बजे, नवा रायपुर अटल नगर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद, वह छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा पर बनाया गया है, जिसे पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित और वर्षा जल संचयन प्रणाली से सुसज्जित करने की योजना है। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

जनजातीय संग्रहालय का उद्घाटन- प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 1:30 बजे शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे और उसका अवलोकन करेंगे। यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में संग्रहालय पोर्टल और ई-बुक आदि शौर्य का शुभारंभ करेंगे और स्मारक स्थल पर शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

रजत महोत्सव- श्री मोदी दोपहर लगभग 2:30 बजे छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में हिस्सा लेंगे। वे सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और रूपांतरकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कुछ अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का लोकार्पण- प्रधानमंत्री लगभग 1,950 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 489 किलोमीटर लंबी नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का भी लोकार्पण करेंगे। यह परियोजना भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने और एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड का लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पाइपलाइन छत्तीसगढ़ के 11 जिलों को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ेगी, जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र को स्वच्छ एवं किफायती ईंधन उपलब्ध होगा।

दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखेंगे- प्रधानमंत्री औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्रों—एक जांजगीर-चांपा जिले के सिलादेही-गतवा-बिर्रा में और दूसरा राजनांदगांव जिले के बिजलेटला - की आधारशिला रखेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-22 में एक फार्मास्युटिकल पार्क की आधारशिला रखेंगे। यह पार्क औषधि और स्वास्थ्य सेवा विनिर्माण के लिए एक समर्पित क्षेत्र के रूप में कार्य करेगा।

पांच नए मेडिकल कालेज की आधारशिला भी रखेंगे- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम (दंतेवाड़ा) में और बिलासपुर में सरकारी आयुर्वेद कॉलेज तथा अस्पताल की आधारशिला रखेंगे।

ये सौगातें भी....

करोड़ रुपये के कार्यों को समर्पित करेंगे। इनमें नई बिजली लाइनों का निर्माण, फीडर का विभाजन, ट्रांसफार्मरों की स्थापना, कंडक्टरों का रूपांतरण और ग्रामीण एवं कृषि बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए निम्न-दाब नेटवर्क को सुदृढ़ करना शामिल है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में रायपुर में एचपीसीएल के अत्याधुनिक पेट्रोलियम तेल डिपो का उद्घाटन करेंगे। यह डिपो 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित है और इसकी भंडारण क्षमता 54,000 किलोलीटर पेट्रोल, डीजल और इथेनॉल की है।

जब छत्तीसगढ़ के लिए ....

अगाध आस्था से सराबोर, जनादेश परब, विश्वास वर्ष, अटल निर्माण वर्ष, रजत महोत्सव मनाते हुए। इस यात्रा में मोदीजी का साथ हमेशा के तरह अपितु हमेशा से अधिक मिलने के कारण दुगने उत्साह और अनेक गुना अधिक शक्ति के साथ उस यात्रा की ओर कदम बढ़ा चुका है, जिसमें 3 करोड़ नागरिकों का जीवन सुगम और बेहतर हो। समावेशी और सर्वस्पर्शी विकास की यह यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की संवेदनशीलता और समन्वयकारी नीतियों का परिणाम है। लंबे समय तक गुजरात जैसे महत्वपूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री रहे मोदी जी को तमाम राज्यों की परिस्थितियों के बारे में अन्य समकक्षों के मुकाबले अधिक समझ और अनुभव है, इसी अनुभव के कारण उन्होंने पद सम्हालते ही केंद्रीय करों में राज्यों का हिस्सा 32 प्रतिशत से एक तिहाई बढ़ा कर सीधे 42 प्रतिशत कर दिया था। इससे छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को सबसे अधिक राहत मिली। एक मोटे आकलन के अनुसार केवल इस एक कदम से अभी तक प्रदेश को 1 लाख करोड़ से अधिक की रकम अतिरिक्त मिली है। मोदी जी का छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव हम सभी जानते हैं। छत्तीसगढ़ का कोई कोना नहीं, जिससे वे परिचित नहीं हों। मुख्यमंत्री रहते हुए भी मोदी जी ने छत्तीसगढ़ से अपना जुड़ाव बनाए रखा। मेरा सौभाग्य है कि मुझे वर्ष 2014 से 2018 तक प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय इस्पात, खान, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना, धरती आबा योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना, जनधन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा उज्जवला जैसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाओं का बड़ा लाभार्थी छत्तीसगढ़ बना है। मोदी जी द्वारा खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिएडीएमएफ के गठन से हमारे पिछड़े क्षेत्रों को लाभ मिला है। उन्होंने 2015 में आधार को जन धन योजना और अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़कर डिजिटल इंडिया और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया। उनके नेतृत्व में ही वर्ष 2015 में भिलाई और अन्य स्टील प्लांट्स के आधुनिकीकरण और विस्तार शुरू हुआ। उनके प्रयासों से सेल के विभिन्न संयंत्रों में 72,134 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अब हम नक्सल मुक्ति के तरफ निर्णायक कदम बढ़ा चुके हैं। अपने नेता के 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप, विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए हमने छत्तीसगढ़ विजन डाक्यूमेंट तैयार किया है। हमारा लक्ष्य अगले 5 वर्षों में राज्य की जीएसडीपी को दोगुना करना और 2047 तक इसे 6 लाख करोड़ से बढ़ाकर 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाना है। इससे प्रति व्यक्ति आय में 10 गुना वृद्धि होगी। 'न्यूनतम सरकार - अधिकतम शासन' के मंत्र पर चलते हुए हमनें पिछले डेढ़ साल में 350 बिजनेस रिफॉर्म्स किए हैं।हमारी नई औद्योगिक नीति के कारण पिछले डेढ़ साल में 7.50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। हमारा प्रदेश भी अब 'डिजिटल क्रांति' से मानवीय जीवन में बदलाव लाने बेहतरीन कहानियां लिख रहा है। इसके पीछे प्रधानमंत्री जी की "ईज ऑफ लाइफ तथा ईज ऑफ बिजनेस" जैसी संकल्पना है, जिसे हम रोजमर्रा के जीवन में साकार होते देखते हैं। भारत को अद्भुत स्थापत्य का उदाहरण नया भारतीय संसद, सेंट्रल विस्टा देने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा रजत महोत्सव पर छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा परिसर का लोकार्पण भी हमारे लिए अतिरिक्त प्रसन्नता की बात है। संयोग से यह यह भारतीय गणतंत्र काभी अमृत वर्ष है। हमें अपना संविधान आत्मार्पित किए हुए भी अब 75 वर्ष पूरे हुए हैं। जनजातीय गौरव को समेटे नवा रायपुर में निर्मित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भी मोदीजी द्वारा लोकार्पण इस रजत वर्ष के एक बड़ी उपलब्धि होगी। 'हमने बनाया है हम ही सवारेंगे' के उद्घोष के साथ सबको साथ लेकर सबका विकास करने को तत्पर, कुलांचे भरते हमारे युवा प्रदेश 'छत्तीसगढ़' के रजत जयंती वर्ष का यह अवसर हमारे सौभाग्य का प्रतीक है। मोदी जी के नेतृत्व में हम निस्संदेह तमाम बाधाओं को पार करते हुए विकसित भारत बनाने के उनके यज्ञ में भागीदार होकर 'विकसित छत्तीसगढ़' बनाने में सफल होंगे। एक ऐसा छत्तीसगढ़ जहां अंत्योदय की संभावनाओं को नया आसमान मिलेगा, जहां हर चेहरे पर मुस्कान और हर आंगन में खुशहाली होगी। शुभकामना।

भय और आतंक के ....

सवाल – चलिए अब नया राज्य बना, आप एक अलग भूमिका में थे, आप केंद्र में मंत्री थे। प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी हुए, उस समय अनुभव कैसे रहे जब आपके 16 विधायक भाजपा से कांग्रेस के हो गए ? उस समय लगा नहीं गलती हो गई, छोटा राज्य कई तकलीफें देता है ?

जवाब – छोटे राज्य के निर्माण के बाद विधायक दल में बड़ी टूटन हुई और हमारे विधायक कांग्रेस में चले गए। इससे भारतीय जनता पार्टी के अंदर और संगठन में भी और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई कि यह छोटा राज्य है इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इसके बाद वरिष्ठ नेताओं ने छत्तीसगढ़ पर फोकस किया।

सवाल – जब आप 2003 में अनायास मुख्यमंत्री के रूप में दिखाई दिए तब कई लोग आपके साथ थे, आपने तब क्या अनुमान लगाया था, कितने दिन में मुख्यमंत्री रह लूंगा ?

जवाब – इस विषय की भूमिका तब शुरू होती है जब मैं दिल्ली में मंत्री था। वैंकैया नायडू जी हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन्होंने मुझे आडवाणी जी के घर पर बुलाया। सारे वरिष्ठ नेता बैठे थे, वहीं बैठकर आमने-सामने बात हुई। मुझे कहा गया डॉ रमन तुम्हें छत्तीसगढ़ जाना है। मैं समझ गया क्या भूमिका मेरी तय कर रहे हैं। मैंने कहा कि मैं केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने तैयार हूं। यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस भूमिका में भी भेजेंगे मैं तैयार हूं, ऐसा नहीं कि अध्यक्ष ही बनना है। फिर तय हो गया कि मुझे संगठन में जाना है। यहां आने के बाद जो परिस्थितियां थी, भय और आतंक का वातावरण था, जिसे तोड़ने की जिम्मेदारी थी। एक लंबी यात्रा बस्तर से सरगुजा तक चली। कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा। यहां आकर वरिष्ठ नेताओं ने योगदान दिया। फिर भाजपा की सरकार बनी। उसका कारण था 3 साल में ही लोगों ने महसूस कर लिया कि ये सरकार छत्तीसगढ़ के लिए बेहतर नहीं है।

सवाल – मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया कि जब आप मुख्यमंत्री के शपथ ले रहे थे तो कितने दिन के हिसाब से ले रहे थे क्योंकि मध्य प्रदेश में 1977 से 80 में 3 मुख्यमंत्री दे चुकी थी। इसके बाद 1990 में मौका मिला तो ढाई साल में अपनी सरकार अपने ही हाथों से निपटा चुके थे।

जवाब – शपथ की तैयारी में लगा था उसी समय भाजपा के विधायकों को तोड़ने की साजिश चल रही थी, पैसे के लेनदेन की बात हो रही थी। सरकार को न बनने देने की कोशिश हो रही थी। इस घटनाक्रम को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व की ओर से राजनाथ सिंह और अरुण जेटली आए और भाजपा कार्यालय में षड्यंत्र का पर्दाफाश करके थाने में रिपोर्ट दर्ज कराए। पहले दिन से ही षड्यंत्र की भूमिका रखी गई और यह लगता था कि भविष्य में ऐसी दिक्कत आएगी। 5 साल सरकार चलाने की और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर रखने की चुनौती थी।

सवाल – जब आपने पद संभाला उससे पहले जोगी सरकार थी, जोगी दक्ष प्रशासनिक अधिकारी थे। उस समय सरकार की दिशा क्या थी ? उस दिशा में चलने को आप तत्पर हुए या अलग दिशा पर चले ?

जवाब - जोगी सरकार की दिशा बिलकुल अलग थी, और छत्तीसगढ़ की तासीर के अनुसार छत्तीसगढ़ को विकसित करने की भावना नहीं थी। जोगी जी ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ को चलाया, भय-आतंक का माहौल, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की हत्या, जातिवाद का जहर घोलने की साजिश हुई। मुझे लगा कि यह रास्ता नहीं है। छत्तीसगढ़ शांति और सद्भावना से चलेगा। सबको गले लगाकर चलना और किसी को भी दुश्मन न मानना। स्पष्ट रूप से पूरे छत्तीसगढ़ को साथ लेकर चलने का फैसला किया, मुझे लगता है कि जो छत्तीसगढ़िया भाव है यह वही भाव है। आप भय और आतंक के बदौलत सरकार नहीं चला सकते।

सवाल – बताया जाता है कि जन आकांक्षाओं के तहत राज्य का गठन हुआ पर जन आकांक्षाओं की ओर कम ध्यान जाता है। नेताओं की आकांक्षा जरूर पूरी हो जाती है, एक मुख्यमंत्री हुए फिर 2 मुख्यमंत्री हुए, मंत्रियों की संख्या बढ़ जाती है पर राज्य कहां पहुंचा, लोग कहां पहुंचे। डॉ रमन सिंह आज दलगत राजनीति से ऊपर उठ चुके हैं , क्या बता सकते हैं छत्तीसगढ़ कहां पहुंचा ?

जवाब – जनता के विश्वास के आधार पर राज्य का निर्माण हुआ। मुझे याद है 2003 में जब मैंने मुख्यमंत्री का शपथ लिया तब राज्य का बजट 9400 करोड़ रुपए का था। सीमित बजट में काम करना था। 2000 में क्या था छत्तीसगढ़ और क्या आज है। 9000 से 2018 तक 96 हजार का बजट था, आज वह 1 लाख 65 हजार करोड़ तक जा पहुंचा है। नेशनल हाईवे और ग्रामीण सड़कों का जाल बिछाया गया। 40 से 45 हजार किलोमीटर सड़कें बनी। 15 साल में 42 हजार स्कूल खोले गए, 9 हजार युवाओं की पीएससी के माध्यम से भर्ती हुई। एक लाख शिक्षक 70 हजार पुलिस कर्मी की भर्ती हुई। राज्य निर्माण के समय 23 सौ मेगावाट बिजली पैदा होती थी, आज 42 हजार मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। विकसित राज्यों के मुकाबले णें इसलिए खड़ा है क्यों हमारे पास **IIT**, **IIM**, **AIIMS** जैसे राष्ट्रीय संस्थान आए।

सवाल – बहुत लंबा आपने बताया कहां-कहां बेहतर काम किया है, लेकिन विसंगतियों पर भी बात होनी चाहिए ना, अच्छा अच्छा तो आपने बताया। 2008-09 आपने पोषण का अधिकार, एक रुपया किलो में चावल दिया, आपने बताया कि राज्य को आपने कहां से कहां पहुंचा दिया। 2008-09 में 65 लाख परिवारों को जो चावल दिया, आज भी 65 लाख परिवार एक-रुपए दो रुपए किलो चावल के लिए मोहताज है, अगर सब इतना बेहतर हुआ तो ये योजना अभी तक चलानी क्यों पड़ रही है ? छत्तीसगढ़ का गठन आम आदमी तक विकास पहुंचा पाया तो इस विसंगति पर डॉ रमन सिंह क्या कहते हैं ? क्या दौर चुनाव का है, दौर वोट का है। एक बार जो दे दिया उससे पीछे हटना सरकार के लिए संभव नहीं है, क्या ये कारण है ?

जवाब – कारण वो नहीं है, मैं कारण को आपको थोड़ा डिटेल में समझाने का प्रयास करता हूं। ताकि यह प्रश्न हमेशा के लिए समाप्त हो जाए। छत्तीसगढ़ में जो कृषक है और भूमिहीन मजदूर हैं, उनका रेश्यो आप देखेंगे तो एक एकड़ या आदा एकड़ भूमि वालों की संख्या आधे से ज्यादा है। भूमिहीन मजदूरों की संख्या जो खेती करते हैं, मजदूरी करते हैं उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। यह वर्ग किसान के लिए काम करता है, उत्पादन करता है पर जमीन उसका नहीं होता। उस वर्ग के लिए योजना बनाई है।

सवाल – सवाल तो आपके साथ जुड़ा रहेगा, डॉ रमन सिंह के समय में लागू हुई योजना 18 साल बाद आज भी उसी स्वरूप में रखने के लिए सरकार बनी है और 2047 में नवा अंजोर का विजन प्रस्तुत कर रही है। क्या डॉ रमन सिंह की दृष्टि जा रही है कि उस समय तक ऐसा विकसित छत्तीसगढ़ होगा जिसमें अनुदान के भरोसे पोषण कराने की स्थिति नहीं रहेगी।

जवाब – 2047 की यात्रा तो लंबी है, मगर छत्तीसगढ़ में आदमी की आवश्यकता केवल चावल नहीं है, उसे हेल्थ फेसिलिटी, बिजली, घर, पानी आदि चाहिए। चावल उसके जीवन एक बहुत छोटा हिस्सा है। सरकार की तरफ से अगर उसे यह सुविधा मिलती है तो वह अपनी मरजी से काम करने का तय करता है। पहले मालिक यह तय करता था कि मजदूरी उसे क्या दिया जाए। आद वह खुद तय करता है, अपनी पसंद से काम में जाता है। पहले अधिया में बाढ़ी में काम होता था। आज बाढ़ी और बेगारी की प्रथा समाप्त हो गई। 6 लाख लोग पहले पलायन करते थे, आज यह घटकर 20 हजार तक पहुंच गई है।

सवाल - चावल वाले बाबा के रूप में पहचान मिली आपको। अभी भी बातचीत में आपको चावल भूलता नहीं है। छत्तीसगढ़ कब तक चावल की सियासत पर आगे बढ़ता रहेगा ?

जवाब – पैडी छत्तीसगढ़ की संभावनाओं की धुरी है। यदि हमारे नए विधानसभा में घुसोगे तो देखोगे कि यह धान का कटोरा है, धान की बालियां है, हरियाली है। छत्तीसगढ़ के डीएनए में धान है। पैडी को पॉवर्टी से जोड़ा जाता था, मैंने कहा – नहीं, पैडी ही छत्तीसगढ़ की इकॉनॉमी को परिवर्तन करने में सक्षम है।

सवाल – पैडी को पॉवर्टी से देखा जाता था, डॉक्टर साहब का मानना है कि पैडी को पॉलिटिक्स का महत्वपूर्ण कारण है ?

जवाब – कुछ नहीं वह उनके जीवन में परिवर्तन का एक शस्त्र है।

सवाल – क्या आप नहीं मानते कि छत्तीसगढ़ की सियासत में सब कुछ एक तरफ और चावल, चावल का दाम एक तरफ।

जवाब – चावल का दाम ही होता तो सरकार नहीं बदलती। वो भी चावल खरीद रहे थे, हम भी चावल खरीद रहे हैं। सरकार बदलने के कारण दूसरे, बहुत से हैं।

सवाल – क्या डॉ रमन सिंह यह मानने के लिए तैयार आज भी नहीं है कि 2018 में उनकी सत्ता से विदाई चावल के दाम के चलते हुई?

जवाब – देखिए, 2003 में 2008 में, 2013 में 15 साल तक मुख्यमंत्री के रूप में काम करने के बाद एक पड़ाव आया जिसमें कहीं न कहीं हमने घोषणापत्र में जो बातें कही थी उसमें थोड़े से कम रह गए। वो एक कारण हो सकता है। वही चावल, वही सरकार की योजनाएं आज सिर चढ़कर बोल रही है, जो 2003, 08 और 13 में थी। और इस बार का चुनाव इसी में जीतेंगे।

सवाल – भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत की सरकार आई, जैसी न डॉ रमन सिंह के समय और न ही विष्णुदेव साय के समय आई। उसके बारे में क्या दृष्टि है, आपका काम कितना बढ़ा ?

जवाब – जैसे ही कांग्रेस की सरकार आई। नीतियों को तोड़ मरोड़कर लागू किया। कहते हैं कि पॉलिसी से क्या होगा, मैं कहता हूं पॉलिसी से ही सब होता है। अगर हमारी पॉलिसी में चलते रहते तो जितने लोग जेल में हैं, हजारों करोड़ के घोटाले हुए.... कोयले का ही उदाहरण देता हूं उन्होंने ऑनलाइन ट्रांजिट पास देने के प्रावधान को ऑफलाइन कर दिया। इस वजह से 10-15 हजार करोड़ का घोटाला हो गया। इसका दूरगामी परिणाम होता है। हमने शराब के लिए पॉलिसी बनाई थी। इनकी सरकार आई तो पॉलिसी बदल दी। ऐसा कहीं नहीं होता होगा कि सरकारी दुकान में शराब बिके और आधा पैसा शासन के पास जाए और आधा पार्टी में जाए। आज इसका केस चल रहा है। नीति के साथ नीयत भी ठीक होनी चाहिए। 5 साल इसी उलझन का, विवाद का रहा, इसलिए सरकार को जाना पड़ा।

सवाल – भूपेश बघेल जनसंघर्ष से निकले नेता थे। इनके कार्यकाल में दिक्कत किस विषय को लेकर थी ?

जवाब – नीति और नीयत। योजना जो बना रहे हैं उसका क्रियान्वयन गलत तरीके से हुआ। नीति भी ठीक बनाते हो नीयत गलत हो तो क्रियान्वयन नहीं हो सकता। नीयत ठीक होनी चाहिए।

सवाल – 2 साल तो विष्णुदेव साय की सरकार को हो गए हैं। ठीक है आपकी पार्टी के नेता हैं, इन दो सालों में छत्तीसगढ़ की कार्यसंस्कृति में बदलाव आया या पुरानी कार्यसंसकृति ही चल रही है ?

जवाब – सायजी के नेतृत्व में सरकार बनी है, छत्तीसगढ़ में ट्राइबल मुख्यमंत्री के रूप में सामने आए हैं। 3 बार प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं, अनुभवी हैं। केंद्र में मंत्री रहे, बहुत सारे अनुभव लेकर आए हैं। जो वादा हम सबने घोषणापत्र में किया था, उसके क्रियान्वयन की जवाबदारी मुख्यमंत्री की है। चाहे 31 सौ रुपए में 21 क्विंटल धान खरीदने की बात हो, 2 साल के बोनस, महतारी वंदन योजना की बात हो तो मुझे लगता है कि यह विष्णुदेव साय के स्वभाव का असर है, नीतियों का असर है। ऐसी नीतियां बनाई कि बस्तर शांति की दिशा में जा रहा है।

सवाल – रमन सिंह को अखरता नहीं है कि उन्हें एक मौका और मिलना चाहिए था ?

जवाब - मुझे लगता है कि पार्टी ने इतना कुछ दिया है। पार्षद से केंद्र में मंत्री बनाया। प्रदेश अध्यक्ष बनाया, एक बार, दो बार, तीन बार मुख्यमंत्री बनाया। किसी आदमी को राजनीतिक दल इतना बी दे सकता है, मेरी कल्पना नहीं थी। आज एक नए दायित्व में हूं, विधानसभा अध्यक्ष का। मेरा जीवन में हमेशा लक्ष्य रहा है जो भी दायित्व मिले उसको मस्ती, तन्मयता के साथ करूं. आज मैं स्पीकर के रूप में इन्जॉय कर रहा हूं। विधानसभा के भीतर और बाहर खूब किताब पढ़ रहा हूं और किताब भी लिख रहा हूं। मैं पहली पारी की बैटिंग कर चुका हूं, अब दूसरी पारी की कर रहा हूं।

सवाल – अगर आपको इतना ही आनंद आ रहा है तो जब भी कोई पद रिक्त होता है तो डॉ रमन सिंह का नाम क्यों आता है? महाराष्ट्र के गवर्नर का पद खाली होता है या उपराष्ट्रपति के रूप में और राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदर्भ में भी नाम आता है। आप अपनी भूमिका से संतुष्ट नहीं हैं या पार्टी?

जवाब – मैं पूर्ण संतुष्ट हूं। पत्रकार मेरे ऊपर ज्यादा मेहरबान हैं। वो कहीं न कहीं मेरा नाम चला देते हैं। मैं दिल्ली जाना कम कर दिया हूं। नहीं तो हर बार कोई न कोई बात चलती है। केंद्रीय नेतृत्व समय-समय पर जिम्मेदारी देता है। अभी विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी है। इस काम को अच्छे से करना मेरा लक्ष्य है।

सवाल – कितनी रास आ रही है ये भूमिका, किताब पढ़ने के लिए विधानसभा अध्यक्ष बने हैं ?

जवाब - किताब भी पढ़ना, किताब लिखना भी, जिंदगी को इन्जॉय करना। जो काम मैं मुख्यमंत्री के रूप में करता था। अब मैं 90 विधायकों का अध्यक्ष हूं तो उनसे बात करना, उनकी समस्या को सुनना, समाधान करना। विधानसभा का बेहतर संचालन करना, विधानसभा की प्रतिष्ठा को बढ़ाना। एक नई भूमिका में हूं, उसे अच्छे से करने का प्रयास कर रहा हूं।

सवाल – 90 विधायकों के अध्यक्ष हैं तो किसकी मदद ज्यादा मिल रही है विष्णुदेव साय की या भूपेश बघेल या चरणदास महंत की आजकल मदद ज्यादा मिल रही है ?

जवाब – हमारे मुख्यमंत्री साय जी के साथ लंबे समय तक काम किया है। आज भी उनके साथ खड़ा हूं। वे मर्यादा के साथ अपना काम करते हैं। जहां तक चरणदासजी या भूपेश जी के साथ संबंध का सवाल है तो महंत जी नेता प्रतिपक्ष हैं, उनसे अच्छे संबंध स्वाभाविक हैं और भूपेश बघेल से संबंध जैसे थे, वैसे हैं। उनकी अपनी भूमिका है, हमारी अपनी।

सवाल – नई विधानसभा का आप लोकार्पण आप करवा रहे हैं। आजकल नई विधानसभा की जरूरत सरकारें महसूस नहीं करती ?

जवाब - मेरी ये मान्यता थी कि आने वाले समय में पुराने भवन से विधानसभा का संचालन नहीं हो पाएगा। नए परिसीमन के बाद विधायकों की संख्या 120 हो जाएगी. जो आने वाले समय में और बढ़ेगी। आने वाले 50-100 साल को ध्यान में रखकर नया भवन बनाया है। छत्तीसगढ़ की विधानसभा यहीं सा लोहा, यहीं का सीमेंट, बस्तर की लकड़ी पूरी तरह से स्वदेशी मॉडल पर बना है।

भाजपा की राष्ट्रीय ....

की कांग्रेस सरकार के खिलाफ में राजनीति प्रस्ताव भी पारित किया गया था। उस बैठक के बाद छत्तीसगढ़ की फिजा ही बदल गई। 18 और 19 मई 2003 को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद भाजपा ने छत्तीसगढ़ डा. रमन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाई।

बदल गई राजनीति ....

डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में लड़ा गया था, ऐसे में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने डॉ. रमन सिंह को ही मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद तो डा. रमन सिंह लगातार 15 सालों तक मुख्यमंत्री रहे।

भाजपा ने बसाया ....

कार्यालयों से लेकर केंद्र सरकार के कई संस्थान यहां काम कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने उसे नाम दिया अटल नगर।

नई राजधानी का सपना रंग लाया- राज्य गठन के बाद वर्ष 2000 में राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने कांग्रेस नेता अजीत जोगी। उनके सरकार में आते ही प्रदेश की नई राजधानी बनाने का विचार आकार लेने लगा था। तब की सरकार और उनके मुखिया ने नई राजधानी बनाने के लिए काफी मशक्कत की। पुराने रायपुर व उसके करीब 50 किलोमीटर के दायरे में जगह की तलाश शुरू हुई थी। काफी प्रयास के बाद सिमगा के आगे नांदघाट में राजधानी बनाने के लिए सर्वे किया गया, लेकिन यहां बात नहीं बन पाई। बाद में अब के नवा रायपुर में चेरिया नाम के गांव में नई राजधानी का शिलान्यास कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी के हाथों करवाया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री अजीत जोगी थे।

तय हुए मंत्रालय-सचिवालय...

में डा. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। उनके कार्यकाल में नई राजधानी का केंद्र राखी गांव बना। यहां मंत्रालय, विभागाध्यक्ष भवन, पुलिस मुख्यालय सहित अन्य शासकीय कार्यालय बनाए गए।

राज्य गठन के पहले ...

आया छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग नक्सल वारदातों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहता था। उस दौरान समूचा बस्तर नक्सलियों के प्रभाव में रहा वे जब जहां चाहें, वहां वारदात को अंजाम देते थे। यहां तक की राष्ट्रीय राजमार्ग भी सुरक्षित नहीं रहता था दिनदहाड़े माओवादी वाहन रोकना हो या विस्फोट कर उड़ाने जैसे वारदातों को अंजाम देते थे। लेकिन इस 25 साल में बस्तर में काफी बदलाव आया है, अर्धसैनिक बल, राज्य की पुलिस फोर्स व राज्य सरकार की पहुंच नक्सलियों के आधार क्षेत्र तक होने से नक्सल समस्या में काफी कमी आई है। इन 25 साल में लाल गढ़ का आंतक धीरे धीरे विकास में परिवर्तित होने लगा है। इससे पूर्व तक बस्तर संभाग के सभी सात जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन अब चार जिले नक्सल मुक्त हो चुके है, बचे खुचे नक्सल कैडर सुकमा, बीजापुर व नारायणपुर जिले में पनाह लिए हुए है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बार बार बस्तर आना और लगभग सभी संवेदनशील क्षेत्र में कैम्प खुल जाने से नक्सल आंतक कमजोर पड़ने लगा है। नियद नेल्लानार योजना से अब अंदरूनी गावों में भी विकास कार्य होने लगा है और नक्सलियों के समर्पण व खात्मे के चलते बस्तर की फिजा अब बदल रही है और कह सकते है कि नक्सलवाद अंतिम सांसे गिन रहा है। पिछले 25 वर्षों में बस्तर ने एक असाधारण परिवर्तन का अनुभव किया है। वह क्षेत्र जो कभी वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से सर्वाधिक प्रभावित माना जाता था, वह आज शांति, स्थायित्व और विकास का प्रतीक बन चुका है।

2025 में गृह मंत्रालय द्वारा बस्तर को एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों की सूची से हटाया जाना इस परिवर्तन का ऐतिहासिक प्रमाण

पच्चीस साल नक्सल मुक्ति के साक्षी- 2001 से 2025 तक का कालखंड बस्तर में माओवादी हिंसा में निरंतर गिरावट का साक्षी रहा है। वर्षवार आंकड़े यह स्पष्ट दर्शातें हैं कि घटनाओं, जनहानि और हथियार बरामदगी में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि सुरक्षा बलों का संचालन और प्रशासनिक नियंत्रण पहले से कहीं अधिक विस्तृत हुआ है। नए सुरक्षा शिविरों की स्थापना, खुफिया तंत्र का सुदृढ़ीकरण और जन-केंद्रित पुलिसिंग ने माओवादी गढ़ों को ध्वस्त कर दिया है तथा उनकी आपूर्ति श्रृंखला और संगठनात्मक ढांचे को कमजोर किया है। पिछले चार वर्षों में ही 440 से अधिक माओवादी मारे गए और 800 से अधिक हथियार बरामद हुए और कई शीर्ष माओवादी नेता या तो मारे गए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जो उनकी घटती संचालन क्षमता का स्पष्ट संकेत है। इसी 2025 में गृह मंत्रालय द्वारा बस्तर को एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों की सूची से हटाया जाना इस परिवर्तन का ऐतिहासिक प्रमाण है, जो सामान्य स्थिति की पुनर्स्थापना और राज्य की प्रभावी उपस्थिति को दर्शाता।

सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक सशक्तिकरण

आज का बस्तर राज्य और समाज के बीच साझेदारी का प्रतीक है। जो ग्रामीण कभी भय के साए में जीते थे वे अब शांति और विकास के प्रहरी बन चुके हैं। सामुदायिक पुलिसिंग, सिविक एक्शन प्रोग्राम और स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों ने लोगों और पुलिस के बीच गहरा विश्वास स्थापित किया है। निरपराध आदिवासियों पर माओवादी हमले अब उनकी हताशा के प्रतीक बन गए हैं, न कि शक्ति के। प्रशासन ने आत्मसमर्पित कैडरों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण आबादी की सुरक्षा के लिए विशेष योजनाएं लागू की हैं।

टॉप मोस्ट 7 नक्सली समेत ...

शुमार रहे सेंट्रल कमेटी महासचिव नम्वाला केशवराव उर्फगगन्ना उर्फ वसव राजू समेत चार नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने बस्तर में मार गिराया इसके अलावा हाल ही में सीसी मेंबर रूपेश ने भी जगदलपुर में अपने साथियों के साथ हथियार डाल दिया था। अब बचे कुछ नक्सलियों को टारगेट करने के लिए फोर्स लगातार प्रयासरत है। इनके मारे जाते ही बचे हुए तीन जिले भी नक्सलमुक्त हो जाएगा।

18 हजार वर्ग, किमी से ...

है। कभी नक्सलियों के आधार इलाके माने जाने वाले इलाके में जहां एक ओर लगातार विकास कार्य करते हुए लोगों को विश्वास पुलिस व प्रशासन जीत रही है। वहीं दूसरी ओर फोर्स को आपरेशन में भी लगातार सफलता मिल रही है।

हमें विभाजन में मिला ...

इलाके मोहला-मानपुर में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली सीमा पर चातगाव दलम, पेंड्री दलम, औंधी दलम, मोहला दलम, मदनवाड़ा दलम समेत अन्य दलम सक्रिय थे। इसी तरह महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की सीमा पर देवरी दलम सक्रिय रहा। यह दलम राजनांदगांव के छुरिया और नेशनल हाईवे को कवर करता था। इसके साथ ही दर्रेकसा, टांडा, मलाजखंड दलम भी राजनांदगांव और खैरागढ़ के अलावा बालाघाट जिले के सरहद पर सक्रिय रहा। 25 साल तक चले संघर्ष में दलम अब बैकफुट पर है और इनकी संख्या भी बेहद कम हो गई है।

0 मानपुर से कवर्धा और मंडला तक कॉरिडोर- नक्सलियों ने राजनांदगांव से लेकर कवर्धा जिले को दो डिवीजन में विभाजित किया है। जिसमें गोंदिया, राजनांदगांव और बालाघाट (जीआरबी) तथा कवर्धा-बालाघाट (केबी डिवीजन) शामिल है। जीआरबी डिवीजन में मलाजखंड और दर्रेकसा के अलावा टाडा दलम का मूवमेंट रहता है। इसी तरह केबी डिवीजन में भोरमदेव, खटियामोचा दलम सक्रिय है। नक्सलियों ने मानपुर से मंडला तक रेड कॉरिडोर बनाने की साजिश रची थी, लेकिन अब यह पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

बार्डर में सिमटे नक्सल संगठन- लगातार संघर्ष के बीच नक्सल संगठन सिर्फ बार्डर इलाके में ही सीमित है। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में ही नक्सलियो की आवाजाही की जानकारी मिल रही है। हालांकि केंद्र सरकार ने राजनांदगांव, खैरागढ़ और कवर्धा जिले को नक्सल मुक्त कर दिया है। वहीं मोहला-मानपुर जिले को आंशिक की श्रेणी में रखा गया है।

चैतन्य बघेल की ...

एजेंसी ने कभी मुवक्किल को नोटिस नहीं भेजा : दलील

बघेल की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एजेंसी ने उनके मुवक्किल को यह कहते हुए गिरफ्तार किया कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। सिब्बल ने दलील दी कि उन्होंने मुवक्किल को कभी नोटिस नहीं भेजा, न ही समन किया। यह गिरफ्तारी को दी गयी चुनौती है। याचिकाकर्ता को कभी बुलाया नहीं और सीधे पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार कर लिया, जो वे नहीं कर सकते। उन्होंने उच्च न्यायालय में गिरफ्तारी के आधार को रद्द करने का अनुरोध किया है।

कोई आधार नहीं सभी केवल आरोप : सिब्बल- न्यायमूर्ति कांत ने केस फाइल का अवलोकन करने के बाद सिब्बल से कहा कि जांच में असहयोग, बघेल की गिरफ्तारी का एकमात्र आधार नहीं है। सिब्बल ने कहा कि बाकी सभी केवल आरोप हैं। एजेंसी ने अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की है और न ही अदालत से अनुमति मांगी है। उन्होंने कहा, "वे मुकदमे में देरी कर रहे हैं और मुवक्किल को हिरासत में रखे हुए हैं, जबकि उच्च न्यायालय का हर फैसला मेरे पक्ष में है।

सीबीआई व ईडी कर रही कई मामलों की जांच- केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और ईडी सहित जांच एजेंसियां महादेव सट्टा ऐप, चावल मिलों और कथित कोयला, शराब तथा डीएमएफ घोटालों से जुड़े कई मामलों की जांच कर रही हैं, जो कथित रूप से भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री रहने के दौरान हुए थे।

दो फ्लाइट से शुरू हुई थी ...

गिनती के यात्री ही इस विमानों में सफर करते थे। धीरे-धीरे इसका विकास हुआ और राज्य निर्माण के पहले एयर इंडिया की दो फ्लाइट के जरिए रायपुर एयरपोर्ट चार शहरों से कनेक्ट हुआ। एयर इंडिया की एक फ्लाइट दिल्ली से रायपुर आती और नागपुर होकर वापस दिल्ली जाती। वहीं दूसरी फ्लाइट मुंबई से रायपुर आकर विशाखापट्नम होकर वापस मुंबई का सफर पूरा करती। इसके बाद वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ अस्तित्व में आया। इसके बाद यहां लोगों की आवाजाही बढ़ी और धीरे-धीरे रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय विमानतल का दर्जा मिल गया। यह विमानतल सुबह छह बजे फ्लाइटों के ऑपरेशन के लिए तैयार होता है और रात साढ़े दस बजे के बाद बंद होता है। रायपुर से प्रतिदिन दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई यानी चारों महानगरों के साथ पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, इंदौर, भोपाल, भुवनेश्वर सहित दर्जनसभर शहरों के लिए फ्लाइट का संचालन होता है।

कारोबारी की कार से दो लाख चोरी करने वाला क्राइम ब्रांच का सिपाही बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

कारोबारी की कार से दो लाख रुपए चोरी करने वाले सिपाही को एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बर्खास्त कर दिया है। इसकी पुष्टि एसएसपी ने की है। आरोप है कि सिपाही अपने अन्य साथियों के साथ कारोबारी की कार का पीछा करते हुए दुर्ग पहुंचा। इसके बाद कार की जांच करते समय सिपाही प्रशांत शुक्ला ने कारोबारी की आंखों में धूल झोंक कर रुपए निकाल लिए।

■ दीपावली के समय जांच के नाम पर सिपाही ने कारोबारी की कार से रुपए चोरी किया था

पिछले सप्ताह दीपावली के समय क्राइम ब्रांच के सिपाही किसी अपराधिक मामले के आरोपी को गिरफ्तार करने बालोद गए हुए थे। वापसी के दौरान सिपाहियों ने एक संदिग्ध कार देखी। इसके बाद सिपाही कार का पीछा करते हुए कारोबारी के घर तक पहुंचे। कारोबारी जैसे ही कार से उतर रहा था, सिपाहियों ने कार की जांच की। इस दौरान प्रशांत ने कारोबारी के साथ अपने अन्य सिपाहियों की आंख में धूल झोंक कर रुपए पार कर दिए।

घर पहुंचने पर कारोबारी ने रुपयों का मिलान किया, तो रुपए कम मिले। इसके बाद कारोबारी ने अपने घर के पास लगे कैमरे की जांच की, तो एक प्रशांत शुक्ला नाम का सिपाही कार से रुपए निकालते दिखा। इसकी कारोबारी ने दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के पास शिकायत करते हुए सीसीटीवी फूटेज पेन ड्राइव में दिया। दुर्ग एसएसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जानकारी रायपुर एसएसपी को दी। एसएसपी ने पूरे मामले की जांच कराने के बाद जांच रिपोर्ट के आधार पर सिपाही को बर्खास्त करने का निर्णय लिया।

क्रांति सेना के कार्यकर्ता रायपुर बंद कराने से पहले किए गए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ क्रांति सेना का रायपुर बंद का ऐलान बेअसर रहा। सेना के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ने, उनके अध्यक्ष अमित बघेल के विरुद्ध दर्ज एफआईआर को शून्य करने सहित अन्य मांगों को लेकर शुक्रवार को रायपुर बंद कराने का ऐलान किया था। इसके तहत क्रांति सेना के पदाधिकारियों सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित चंद्राकर भवन में शहर को बंद कराने के लिए इकट्ठे भी हुए थे, लेकिन इससे पहले यहां तैनात पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी देते हुए इस भवन में ही उन्हें कैद रखा। शाम को क्रांति सेना के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर राजस्व विभाग के अधिकारी को ज्ञापन सौंपा, जिसके बाद पुलिस ने सभी को रिहा किया। रिहाई के बाद सभी लोग अपने-अपने घर लौट गए। अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर क्रांति सेना के करीब 5 हजार लोग महादेव घाट स्थित चंद्राकर भवन में इकट्ठा हुए। क्रांति सेना के ऐलान के अनुसार इस भवन में पहले सभा का आयोजन था। सभा के बाद सभी लोग शहर को बंद कराने के लिए अलग-अलग दल बनाकर निकलते। इधर क्रांति सेना के ऐलान को देखते हुए प्रशासन की ओर से पहले ही भवन के बाहर पुलिस बल को तैनात किया गया था। लगभग 50 की संख्या में पुलिस बल भवन के आसपास तैनात रहा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला पहुंचे

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती के अवसर पर नवा रायपुर में नई विधानसभा के लोकार्पण में शामिल होने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला शुक्रवार रात को रायपुर पहुंचे। नई विधानसभा का लोकार्पण शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। विमानतल पर श्री बिड़ला का स्वागत विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, राजेश मूणत, भाजपा के प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, यशवंत जैन, भाजपा के कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सहमंत्री प्रीतेश गांधी, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित भाजपा नेताओं ने किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

द्वितीय रूचि की अभिव्यक्ति

क्र. 14/न.पा.नि./जल विभाग/2025-26 दिनांक 31.10.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से/अनुभवी फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 17.11.2025 को सायं 5:30 बजे तक रूचि की अभिव्यक्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अमानत राशि
1	कोनी स्थित उच्चस्तरीय जलागार को तोड़ने बाबत्।	9000.00
2	सिरगिट्टी स्थित उच्चस्तरीय जलागार को तोड़ने बाबत्।	9000.00

नगर निगम के विभागीय वेबसाईट www.bilaspurnagernigam.com से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN:U40108CT2003SGC015821

No.15-06/S&P/EE-V/P/T-253/25/3222 Marwa, dtd.30-10-25

NOTICE INVITING E-TENDER NO. TN. 161/2025

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) for supply of material as mentioned below for ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa:-

S. No	Tender Specification No.	Rfx No. (E-Tender No.)	Particulars	Last Date/Time of submission of bid.	Tender Fee	EMD
01.	15-06/S&P/EE-V/S&SC/P/T-253/25	8100047020	Supply of Self Contained Breathing Apparatus Set (SCBA) of Cylinder Capacity 6.8 Ltr / 300 Bar for Fire Division at ABVTPS, CSPGCL, Janjgir -Champa.	27.11.2025 15:30 Hrs	Rs.590/- (Rs.500/- +GST @ 18%)	Rs. 6100/-

The bidder shall deposit the requisite Tender Fee & EMD amount online through our e-bidding portal before due date and time. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/Ebidding/Ebidding web portal. Any Extension/ Corrigendum / amendments, if required, shall be displayed on above websites only.

Superintending Engineer (Procurement)
O/o The Addl. Chief Engineer (S&P)ABVTPS, CSPGCL, Janjgir- Champa

// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION //

कार्यालय नगरपालिका परिषद चांपा, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

cmochampa@rediffmail.com, cmochampanp@gmail.com
07819-245180

क्रमांक /2305/रा.वि./न.पा. 2025-26 चांपा, दिनांक 30/10/25

रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका परिषद् चांपा क्षेत्रान्तर्गत गौरव पथ विवेकानंद उद्यान में स्थित मिलेट कैफे को एक वर्ष संचालन / संधारण किए जाने के लिए निर्धारित अर्हरताधारी पंजीकृत अशासकीय संस्थानों / एन.जी.ओ. / सामाजिक संगठनो / स्वसहायता समूह से रुचि की अभिव्यक्ति त्रिलिफाफा पद्धति में दिनांक 21.11.2025 दिन शुक्रवार को अपरान्ह 3:00 बजे तक स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं, निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त लिफाफा/आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेंगा। आफर दर उसी दिनांक 21.11.2025 दिन, शुक्रवार को सायं 04:00 बजे उपस्थित- एन.जी.ओ. /सामाजिक संगठनो/ स्वसहायता समूह के अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा। उक्त दिनांक को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को कार्यवाही की जाएगी। आफर दर के साथ राशि रु. 50000/- (पचास हजार रुपये) धरोहर / अमानत राशि, एफ.डी.आर. के रुप में अकेले मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद चांपा के नाम से जमा करना अनिवार्य होगा। लिफाफा ''अ'' में धरोहर राशि, लिफाफा ''ब'' में अशासकीय संस्थानों/एन.जी.ओ./ सामाजिक संगठन /स्वसहायता समूह के पंजीयन प्रमाण पत्र, सदस्यता सूची, पेन कार्ड/आयकर प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. पंजीयन, किसी संस्था द्वारा ब्लैक लिस्टेड नहीं किए जाने के संबंध में शपथ पत्र एवं अन्य अर्हता संबंधि दस्तावेज व संचालन / संधारण हेतु सामान्य शर्त तथा लिफाफा ''स'' में आफर दर संस्था/एन.जी.ओ. सामाजिक संगठन / स्वसहायता समूह की लेटरपेड प्रारुप में प्रस्तुत करना होगा। तीनो लिफाफा के ऊपर स्पष्ट रुप से अंकित कर मुख्य लिफाफा में भरकर कार्यालय नगरपालिका परिषद् चांपा को प्रेषित किया जाना होगा, जिस पर कार्य का नाम स्पष्ट रुप से अंकित किया जाना अनिवार्य होगा। नियम एवं शर्त तथा विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में राजस्व शाखा एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

''स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत के निर्माण में योगदान दें''

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् चांपा

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
फोन नं. 07752-273990 E-mail: cmo_malhar@rediffmail.com

क्र./1555/निविदा/न.पं./2025-26 मल्हार, दिनांक 31/10/2025

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा फार्म "A" में प्रतिशत दर में कम/एस.ओ.आर. दर/अधिक निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक 03 लिफाफा पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि :- 29.11.2025 सायं 05.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 01.12.2025 सायं 05.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- 05.12.2025 सायं 04.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोलने की अंतिम तिथि :- 05.12.2025 सायं 04.30 बजे तक

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख)	अमानत राशि/ समयावधि	निविदा शुल्क (रू.)
	शा.उ.मा.शाला मल्हार वार्ड क्र. 12 में विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण कार्य। (PWD Building/Drain SOR 01.01.2015 & Electrical SOR 01.06.2020) (शिक्षा मद) (ऑफलाईन निविदा)	6.88	5200/ 120 दिवस	750/-
	शा.उ.मा.शाला मल्हार वार्ड क्र. 12 में पुस्तकालय निर्माण कार्य। (PWD Building/Drain SOR 01.01.2015 & Electrical SOR 01.06.2020) (शिक्षा मद) (ऑफलाईन निविदा)	08.38	6500/ 120 दिवस	750/-

टीप:- (1) यह जानकारी www.cg.uad.gov.in में देखी जा सकती हैं। (2) उपरोक्त कार्यों की निविदा शर्तें / विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा में अवलोकन किया जा सकता हैं। (3) अवकाश होने की स्थिति में आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य किया जावेगा।

"पेड़ लगाओं, पृथ्वी को फिर से ठंड़ा बनाओं"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत मल्हार

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran
Paryavas Bhawan, North Block, Sector-19, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur-492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Tender (2nd Call)

NIT No. 8698/R-20/PRJ/NRANVP/2025 Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 31/10/2025

Online Tenders are invited for "Allotment of Plot for 3-Star and above Hotel at Plot LI/S37/R2-B, Sector 37 in Nava Raipur Atal Nagar". Details of the projects are as below:

S. No.	System Tender No.	Notice Inviting Tender No.	Location of Project	Plot Area (In Sq.mt.) approx.	Reserved Land Premium (INR/Sq.mt.)	EMD (INR Lakhs)
1	178304	8698	3-star and above Hotel Plot LI/S37/R2-B, Sector-37 (2nd Call)	8,099.5421 (2.0 Acres)	9,833.00	80.00

Tenderers shall download tender from e-Procurement website. The tender processing fee is INR. 5,900/- only (Including GST) per tender.
* Date and Time of Pre-bid meeting at 12:00 PM on 17th November 2025
* Last Date for Online submission of Tender up to 03:00 PM on or before 1st December 2025
* Last Date for Hard copy Submission of Technical Bid up to 03:00 PM on or before 3rd December 2025
* Opening of Technical Bid after 03.30 PM on 3rd December 2025

The details of tender and terms & conditions are available on the e-Procurement website https://eproc.cgstate.gov.in

Any amendment/modification in the tender documents, will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

Note: If the date of Hard copy submission falls on public holiday, then the next working day shall be considered.

(Approved by CEO)

Manager (Estate)
NRANVP, Nava Raipur Atal Nagar

संवाद-45748

स्कूल बंक मारकर पिकनिक मनाने गए दो छात्र लेक में डूबे

रायपुर। टाटीबंध स्थित छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल के दो छात्र शुक्रवार को लेक में डूब गए। छात्रों के लेक में डूबने की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू करने पहुंची। देर शाम तक छात्रों का पता नहीं चल पाया है। अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू का काम रोक दिया गया है। दूसरे दिन छात्रों की पतासाजी करने पुनः रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाएगा। घटना माना थाना क्षेत्र के ब्लू वाटर लेक की है। टाटीबंध स्थित छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र जयेश साहू और मृदुल वंजारिया नामक छात्र लेक में डूबे हैं। जयेश रायगढ़ का रहने वाला था, वह रायपुर टाटीबंध स्थित अपने रिश्तेदार के यहां रहकर पढ़ाई कर रहा था। इसके अलावा मृदुल बस्तर का रहने वाला था। वह यहां हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मृदुल का पिता मीडियाकर्मी बताया जा रहा है।

छात्र सुबह 10 बजे के करीब ब्लू वाटर लेक में पहुंचे थे।पुलिस के अनुसार सात से आठ लड़के पिकनिक मनाने ब्लू वाटर पहुंचे थे। सभी छात्र एक ही स्कूल में पढ़ने वाले हैं। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार छात्र स्कूल प्रबंधन को बगैर जानकारी दिए स्कूल बंक कर पिकनिक मनाने ब्लू वाटर पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक छात्र दीपावली के बाद से ही पिकनिक जाने के लिए प्लान बना रहे थे।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-सक्ती एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

क्रमांक/4686/अ-82/2024-25 सक्ती, दिनांक 22/10/2025

चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की किरारी-कोटमी मार्ग निर्माण हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा-19 के तहत यह घोषित किया जाता है कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है।

-: अनुसूची :-

भूमि का वर्णन:- 5. जिला सक्ती 6. तहसील डभरा
7. ग्राम छूछूभांठा/प.ह.नं. 20 8. भूमि का क्षेत्रफल 0.085 हेक्टेयर

खसरा नं.	रकबा (हे. में)
364/1	0.045
364/4	0.040
योग 2	0.085

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डभरा के कार्यालय में किया जा सकता है। 3. उक्त भूमि अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नहीं है।

(विनय कुमार कश्यप)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी डभरा

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(अमृत विकास तोपनो)
कलेक्टर, जिला-सक्ती (छ.ग.)
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी. 252604434/1

हाथकरघा (लूम) एवं सहायक उपकरण आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
जिला हाथकरघा कार्यालय बालोद (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 07749-223936
email-balodadh@gmail.com, 8319660565

जिला हाथकरघा कार्यालय बालोद के अधीन बुनकर सहकारी समितियों को उन्नत उपकरण योजनान्तर्गत शासन से आर्थिक सहायता स्वीकृत होने पर लगने वाले हाथकरघे एवं सहायक उपकरणों को क्रय के पूर्व दर निर्धारण हेतु पंजीकृत निर्माता/फर्मों से सील बंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा एवं शर्तें फार्म राशि 1000/- रू. (अक्षरी एक हजार रूपये) जिला हाथकरघा कार्यालय बालोद में नगद जमा कर इस कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा खोलते समय निविदादाता अथवा प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

निविदा फार्म प्राप्त करने की तिथि : 31.10.2025 से 20.11.2025 को शाम 5.00 बजे तक
निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि : 21.11.2025 दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 21.11.2025 दोपहर 2.00 बजे

सहायक संचालक
हाथकरघा बालोद (छ.ग.)

जी - 252604460/2

Mineral Resources Department, Government of Chhattisgarh, Directorate of Geology & Mining
Indravati Bhawan, Block-4, Second Floor, Nawa Raipur Atal Nagar, Raipur, Chhattisgarh- 492002, India

Date :- 14-10-2025

Notice Inviting Tender

Subject: Empanelment for Selection of Agencies for drilling exploratory drilling of minerals in various districts in Chhattisgarh

DMG Chhattisgarh is to empanel for selection of agency for drilling exploratory drilling of minerals in various districts in Chhattisgarh. The selected agency shall work according to the scope of work and provide necessary drilling for various Districts in Chhattisgarh.

In this regard DGM Chhattisgarh invites RFP document for Empanelment for Selection of agency for drilling exploratory drilling of minerals in various district in Chhattisgarh. Terms and conditions, deadlines etc. for participating in the electronic auction are provided in the Tender Document.

The RFP document can be viewed at https://chhattisgarhmines.gov.in/in addition to MSTC Portal (https://mstcecommerce.com /eprocn/)

RFP Reference Number	Name of Work	Date of Publication of NIT	Last date and time for submission of RFP	Contact Person
MLS/Raipur/ Operations/7 /25-26/ET/12/ (DGM CG Drilling Empanel ment)	Empanelment for Selection of Drilling Agencies for Exploratory Drilling of Minerals in various District in Chhattisgarh State	14-10-2025	13-11-2025 up to 17:00 Hours	Shri Kailash Dongre, Joint Director (Geology), Directorate of Geology and Mining, Chhattisgarh Mo. 9424282791 Email id- dgm.cg@gov.in

It is informed that further updated, i.e., notices/corrigendum/ modifications/addendum etc, with respect to the above referred RFP, shall be published on the DGM Chhattisgarh website only. All the prospective bidders/stakeholders are requested to regularly refer to the DGM Chhattisgarh website for notices/corrigendum/modifications/addendum etc. (if any) with respect to the above RFP.

Director
Geology & Mining, Chhattisgarh

G-252604463/3

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए प्रथम निविदा आमंत्रण दिनाक 20.11.2025 साय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))
178142	23/व.ले.लि./ 2025-26 दि. 29.10.2025	कांकेर जिले के पलाचुर जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य अंतर्गत एल.बी.सी. स्लूस निर्माण, आर.बी.सी. स्लूस मरम्मत, वेस्ट वियर निर्माण, शीर्ष बेसिन में अर्थ वर्क कार्य तथा स्केप फॉल, व्ही.आर.बी., डी.सी. हेड रेग्यूलेटर प्रोटेक्शन वॉल निर्माण कार्य एवं पूर्व निर्मित संरचनाओं का मरम्मत कार्य तथा एल.बी.सी. व आर.बी.सी. नहर लाईनिंग कार्य	रू. 476.99 लाख
178143	24/व.ले.लि./ 2025-26 दि. 29.10.2025	कांकेर जिले के विकासखंड कांकेर की रिसेवाड़ा बांध के स्पील में शूटफाल निर्माण एवं मुख्य नहर में 5 नग सायफन एवं लघु नहरों का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य	रू. 550.36 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.11.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 01.10.2024 से अभी तक जारी समस्त निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र मान्य होगा (प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग के पत्र क्रमांक 425001/TC/2016/सर्क/9210 रायपुर दिनांक 23.09.2025 के अनुसार)

कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कांकेर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी. 252604433/3

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्रं. / निर्माण/2025 दिनांक 28.10.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1.	शेड निर्माण एवं अन्य कार्य (आरा मशीन शिव मंदिर के पास) वार्ड क्रं. 22 नगर पालिक निगम, कोरबा (म.क्षे.आ.वि.प्रा.) (द्वितीय निविदा)	10.00	17.11.2025 (T.No. 178217)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

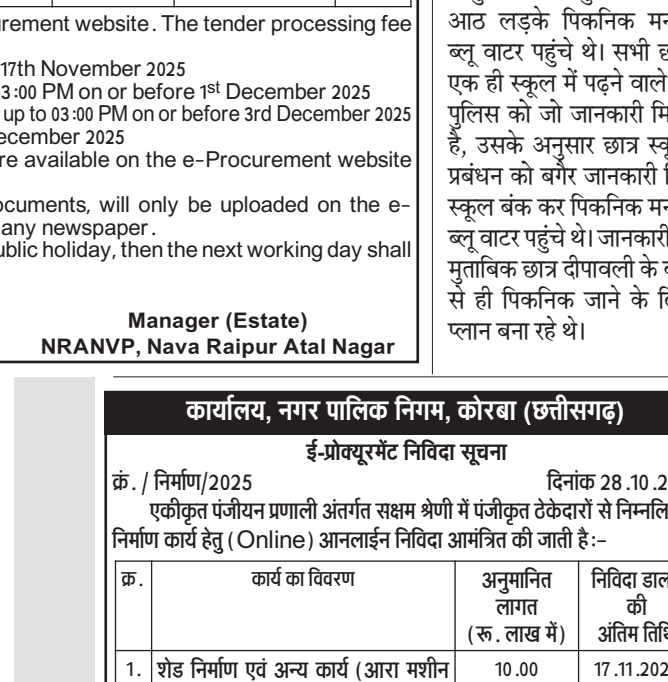

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

शब्द पहेली - 6034

बाएँ से दाए-
1. पद्माकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6033 का हल

सूडोकु नवताल - 6044
★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6043 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में दो आईएएस अफसरों को अवमानना नोटिस

बिलासपुर। हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में दो आईएएस अफसरों से नाराज कोर्ट ने नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोर्ट ने पूछा है कि, अदालत के आदेश का जानबुझकर अवहेलना करने के आरोप में क्यों ना उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए। याचिकाकर्ता महेश देवांगन ने अधिवक्ता संदीप दुबे व मानस वाजपेयी के माध्यम से तीनों अफसरों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है।

दायर अवमानना याचिका पर जस्टिस एनके व्यास के सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जब याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि याचिका पर हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की है और न्यायालयीन आदेश का सीधेतौर पर अवहेलना की जा रही है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि अवमानना करने वाले अफसरों को एक सप्ताह के भीतर साधारण तरीके के साथ-साथ पंजीकृत तरीके से भी नोटिस जारी करें। मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबरको होगी। याचिका के मुताबिक जांजगीर जिले में पदस्थ पटवारी महादेव देवांगन ने स्थानांतरण आदेश को चुनौती देते हुए बताया था कि स्थानांतरण के तुरंत बाद उसने स्थानांतरण समिति के समक्ष अभ्यावेदन पेश किया था, जो आज तल लंबित है। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा था कि 5 जून 2025 की स्थानांतरण नीति के खंड 8 के अनुसार, स्थानांतरण आदेश के विरुद्ध स्थानांतरण समिति के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का आंतरिक उपाय उपलब्ध है, यह समिति याचिकाकर्ता की शिकायत पर कानून के अनुसार विचार करेगी। इसके बाद लेकिन कुछ नहीं किया गया।

ओड़िशा से 50 लाख के ढाई क्विंटल गांजे की तस्करी घरघोड़ा-लैलूंगा मुख्य मार्ग में पकड़ा गया तस्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

गुरुवार की देर रात घरघोड़ा पुलिस ने ओड़िशा से गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा है। आरोपी अपनी कार में गांजा भर कर ला रहा था। कार में करीब ढाई क्विंटल गांजा था। गांजा के साथ कार और मोबाइल जब्त कर लिया है। गुरुवार की देर रात ओड़िशा से गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद घरघोड़ा, लैलूंगा मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर पुलिस टीम ने एक हुंडई कार में गांजा तस्करी कर रहे युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान संतोष दास पिता बुधराम दास उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम चीताबहार थाना दरिमा, जिला सरगुजा के रूप में हुई है। कार की तलाशी ली गई तो उसमें एक-एक किलो के 250 पैकेट गांजा कुल वजन 257.5 किलोग्राम बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी से तस्करी में प्रयुक्त हुंडई कार क्रमांक सीजी.29 एएस 2077 जिसकी कीमत लगभग 8 लाख और एक मोबाइल कीमत 10 हजार को भी जब्त किया गया। आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को तस्करी नेटवर्क से संबंधित कई अहम जानकारियां भी मिली है।

दुकान का शटर तोड़कर आधा किलो सोना और 20 किलो चांदी की चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

एसपी बंगले से महज आधा किमी की दूरी पर स्थित ज्वेलरी शाप को चोरों ने निशाना बनाया है। देर रात शटर तोड़कर घुसे चोर दुकान से सोने चांदी के जेवर चोरी कर भाग निकले। इस घटना में लगभग आधा किलो सोने और 20 किलो चांदी के जेवर पार होने की बात कही जा रही है। बड़ी बात यह है कि चोरों ने दुकान में रखी तिजोरी को भी तोड़ लिया। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया है और पुलिस की रात्रि गस्त व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए है। पुलिस द्वारा फिलहाल इस घटना की जांच की जा रही है।

बता दें कि नगर सीमा से लगे ग्राम पंचायत क्षेत्र दहेजवार के हिन्दू चौक के समीप धनंजय सोनी की धनंजय ज्वेलर्स के नाम से दुकान संचालित है। विपिन सिंह नामक व्यक्ति के किराए के भवन में उक्त दुकान संचालित होती है। 30 अक्टूबर की रात 9 बजे धनंजय सोनी दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। इस दौरान 31 अक्टूबर की सुबह 5 बजे व्यवसायी का चचेरा भाई रवि सोनी घूमने निकला तो उसकी नजर दुकान के आधे उठे हुए शटर पर पड़ी जिसके बाद उसने अपने भाई धनंजय सोनी को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद व्यवसायी दुकान पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। दुकान के शटर को सब्बल से उठाकर चोरों ने दुकान में प्रवेश किया था और चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने अपनी ओर से जांच शुरू कर दी है। चोर दुकान से लगभग आधा किलोग्राम सोना और 20 किलो ग्राम चांदी चोरी करके ले गए हैं। इस घटना से परिवार सदमें में है जबकि क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सबसे बड़ी बात यह है कि घटना स्थल से आधा किमी की दूरी पर एसपी निवास है और अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है लेकिन इसके बाद भी चोरी होना पुलिस की रात्रि गस्त व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। एफएसएल के साथ ही डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंची थी लेकिन स्नीफर डॉग से पुलिस को कोई ख़ास मदद नहीं मिल पाई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है लेकिन फिलहाल पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

आमने-सामने भिड़ी दो कार, एक गिरी नहर में, आधा दर्जन घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मालखरौदा

सक्ती जिले के मालखरौदा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पोता नहर पुल के पास दो कारों में आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक कार नहर में जा गिरी। गनीमत यह रही कि उस कार में सवार पिता-पुत्र को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं दूसरी कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, जैजैपुर क्षेत्र के ओडेकेरा निवासी पीके चंद्रा अपने बेटे के साथ इंडिगो कार में सवार होकर खरसिया की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे पोता नहर पुल के पास पहुंचे, सामने से आ रही स्विफ्ट कार से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• लाइट्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- ब्यूटी पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सोमी ब्यूटी पार्लर महर्षि स्कूल के पास उस्लापुर 9754001470 **(39019)**

आवश्यकता है- वेलनेस शॉपी में बिलिंग, प्रोडक्ट देने, एक कम्प्यूटर अनुभवी लड़का और एक अनुभवी फील्ड मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव/ ऑफिस मैनेजर लड़का चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शिवा इन्टरप्राइजेस अरपा कॉम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7067124226, (WA) 9893081826 **(39020)**

आवश्यकता है- होटल में काम करने के लिए कुक शेफ/ डिलीवरी बॉय/ गर्ल, बाई, किचन सुपरवाइजर, एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जगमल चौक बिलासपुर 7000078931 **(39025)**

आवश्यकता है- बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर **(39022)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सरस्वती एजेन्सीज 53, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 9827177772 **(39023)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्स गर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार (अन्दर में) बिलासपुर 98279 23507 **(39014)**

आवश्यकता है- होण्डा शोरूम में कार्य हेतु सेल्स मैनेजर-1, सेल्स एग्जीक्यूटिव (महिला)-5, कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2, सर्विस एडवाइजर- 3, पार्ट्स मैनेजर-1 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मौसाजी होण्डा सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 98274 82440 **(39026)**

आवश्यकता है- दवाई दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के, लड़की (Marg सॉफ्टवेयर अनुभवी) तथा माल लाने छोड़ने हेतु लड़कों की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9:30 से रात 9 तक सम्पर्क करें- 7869797088 **(3178)**

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। जो घर एवं दुकान का कार्य भी कर सके, परिवार सहित रहने हेतु आवास सुविधा। सम्पर्क करें- प्रीमीयर एजेन्सीज मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर **(39024)**

आवश्यकता है- जयराम नगर मस्तूरी में नए पैट्रोल पम्प पर काम करने के लिए लड़के, लड़कीयों एवं मैनेजर की आवश्यकता है अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 80857 41414 **(39015)**

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर /जनरेटर सर्विस सेंटर में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। संपर्क 7869096500,7898900131 **(465)**

आवश्यकता है- शासकीय कार्यालयो में कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए (उम्र का बंधन नहीं) वेतन 6000 से 10000+ कमिशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने बिलासपुर 98270 79947 **(1227)**

आवश्यकता है- थोक सब्जी मंडी में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर- 1पद (वेतन 9000 से 12000), कलेक्शन मैन- 2पद (वेतन- 12000 से 20000) योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से दोपहर 12बजे तक 9893599044 **(39018)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन लाइन मे कार्य करने हेतु अनुभवी साइड सुपरवाइजर 1पद एवं फिल्ड वर्क हेतु युवक 1पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से 12बजे तक 98935 99044 **(15339)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं कम्प्यूटर आपरेटर हेतु फिमेल केन्डीडेट की आवश्यकता सैलरी 5500 से 7000 केवल फ्रेशर ही संपर्क करें 8602396507 **(39010)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9 बजे से शाम 6:30 बजे तक सम्पर्क करें- शिव मंदिर के पास, विद्या नगर बिलासपुर 9039018610, 70009 53447 **(1480)**

आवश्यकता है- एक कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सरस्वती मेडिकल एजेन्सी 52, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा अजीत होटल के पीछे बिलासपुर 9827177377 **(39011)**

Required - Walk-in interview at Ocean Public School requires NUR/ TGT school Teacher (Maths/ English) Must have teaching experience, strong communication skills. Send resume to 6264161800 Address Geetanjali City Phase-2 Bahtarai Bilaspur **(39012)**

आवश्यकता है- सीमेन्ट दुकान में और ऑफिस में कार्य के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8801035000, 88010 36000 **(39013)**

आवश्यकता है- लॉण्ड्री शाप हेतु वाशर मैन, आयरन मैन, स्टोर मैनेजर एवं CCTV कैमरा लगाने हेतु अनुभवी युवक चाहिए सम्पर्क करें- Rays इलेक्ट्रीकल, होटल अजीत के नीचे मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 97527 60266 **(1233)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल डिलिवरी पेमेन्ट कलेक्शन हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 **(39006)**

आवश्यकता है- रजिस्ट्री संबंधी कार्य हेतु MS वर्ड अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए वेतन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- सुबह 10:30 से शाम 5.30 प्रकाश श्रीवास रजिस्ट्री आफिस परिसर बिलासपुर 9770107388, 98279 66496 **(1225)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 **(38966)**

आवश्यकता है- टेलरिंग शॉप में सफारी सूट सिलाई हेतु कारीगर, सेल्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं साफ सफाई हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- टेलर्स सिटीमैन बृहस्पति बाजार रोड, राजेन्द्र नगर बिलासपुर 95890 42866 **(38997)**

आवश्यकता है- मार्केटिंग केनोपी में बैठने हेतु 10 युवतियों (सैलरी+ कमीशन) एवं छोटा हाथी (प्रचार वाहन) चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं ऑफिस स्टॉफ के लिये मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9993243498 **(39002)**

आवश्यकता है- सिविल साइट सुपरवाइजर, इंजीनियर (autocad, structural knowledge साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण नगर निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 **(38934)**

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर महिला टीचर्स एवं पुरुष सफाईकर्मी चाहिए सम्पर्क करें- (9-2बजे तक) संस्कार स्कूल स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास उसलापुर 74405 49466, 9691259615 **(38998)**

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर जिसे बीजी सॉफ्टवेयर आता हो (महिला/ युवती) एवं अन्य कार्य हेतु लड़के/ लड़कियां की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 98274 73604, 9131452265 **(39000)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 **(38966)**

आवश्यकता है- टेलरिंग शॉप में सफारी सूट सिलाई हेतु कारीगर, सेल्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं साफ सफाई हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- टेलर्स सिटीमैन बृहस्पति बाजार रोड, राजेन्द्र नगर बिलासपुर 95890 42866 **(38997)**

आवश्यकता है- क्लिनिक में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। पता-पुराना बस स्टैंड, राजीव प्लाजा के पास बिलासपुर (सैलरी 4-5 हजार) मो. 7880210386 **(342)**

आवश्यकता है- टेन्ट हाउस में अकाउन्ट कार्य के अनुभवी एवं कम्प्यूटर जानकार युवक की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- बिलासपुर 8001975775 **(38965)**

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9241054300 **(590)**

आवश्यकता है- सिक्युरिटी एजेंसी में गार्ड का कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति की आवश्यकता है न्यूनतम योग्यता 10वी पास, (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्कः- उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बिलासपुर 99816 30084,942553490 **(341)**

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा नशेड़ी संपर्क न करें- 7225888800 **(7000)**

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर काम के लिए लड़को की जरूरत है केवल अविवाहित 18 से 28 वर्ष आयु वाले ,ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 12000 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा 7310671995, 6387630593 **(522)**

आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट) शटरिंग कॉन्ट्रैक्टर, लोहार की आवश्यकता है, संपर्क करें:- 9589000577, 78289 02615, 7999245462, 7970010956 **(343)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए,वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 **(512)**

बेचना

बेचना है- रायपुर रोड में हाई कोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड में 50×200 वर्गफुट का प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 78695 75428 **(39007)**

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में पूर्व मुखी लाल ईट से बना डबल स्टोरी न्यू 3BHK मकान। फालसीलिंग मॉड्यूलर किचन, स्टील रेलिंग, सीसी रोड, सागौन दरवाजा, कामन बोर, कीमत 40लाख। सम्पर्क- 79871 66040 **(38967)**

बेचना है- चकरभाठा बस्ती प्राइमरी स्कूल के पास 1BHK का 2000 वर्गफुट में बना सर्वसुविधायुक्त मकान खुला आंगन सहित बेचना है संपर्क करें 7000186749 **(38996)**

बेचना है- रतनपुर केरा तालाब से लगा हुआ पूर्व मुखी 20 फीट रोड 44×55= 2420 वर्गफीट प्लाट अतिशीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 9407912771, 9407960311 **(39009)**

बेचना है- खैराचपोरा NH से 3KM अन्दर कंचनपुर रोड से 200मीटर साइड रोड 18एकड़ जमीन 14लाख एकड़, खैराचपोरा NH 1एकड जमीन नया/ पुराना दोनों हाइवे में फ्रंट 288ft. खरीददार सम्पर्क- 7089666594, 88010 39000 **(1232)**

बेचना है- नवनिर्मित मकान 950 वर्गफीट में दो बेड, हॉल, किचन, पोर्च सहित बंधवापारा सरकण्डा बिलासपुर में अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9229423698 **(39016)**

बेचना है- डायवर्टेड जमीन कोनी में अटल युनिवर्सिटी से 400 मीटर, 20 फिट रोड पर वासुदेव विहार में 2200 वर्गफीट 50×44 पश्चिम मुखी प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9827896543, 9329584696, 942557 5522 **(1481)**

बेचना है- बिलासपुर से 25km कोटा मुख्य मार्ग से 1km ग्राम मोहनभाटा विपाशना ध्यान केन्द्र आश्रम के पास 1एकड़ 22डिसमिल रोड में फ्रंट 350 फार्महाउस कॉटेज हेतु बेहतरीन प्लॉट सम्पर्क- 9993770950, 98274 85990 **(39021)**

बेचना है- विकसित T&C अप्रूव्ड आवासीय कालोनी आर. के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो स्वतंत्र मकान बेचना है कीमत 2BHK 45 लाख एवं 3BHK 80 लाख सम्पर्क करें- 93009 89627 **(39017)**

बेचना है- श्री राम पार्क कॉलोनी सकरी, बिलासपुर राष्ट्रीय राज मार्ग के बगल में 30×50 वर्गफीट पूर्व मुखी, आवासीय टीएनसी रेरा स्वीकृत प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 91655 36159 **(38980)**

व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित सम्पर्क करें- APS इंटरप्राइजेस रायपुर- 91117 60925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099 **(302)**

किराया

किराया- बिलासपुर शहर में सिम्स चौक जूनीलाइन मोड़ पर कोसा क्रियेशन शोरूम के ऊपर फर्स्ट फ्लोर पर 1250 वर्गफुट हॉल, दो टायलेट, कमरा सहित बैंक, ऑफिस, डॉक्टर ग्रुप, ओपीडी, ब्लड बैंक, एक्सरे, सोनोग्राफी, स्टडी सेन्टर, रेस्टोरेंट अन्य व्यवसाय हेतु किराये से देना है सम्पर्क करें- 9340664511 **(38972)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- **जिला कार्यालय कोरबा:-** बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- **जिला कार्यालय मुंगेली:-** थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

भगवान पर अटूट आस्था से उबरने में मदद मिली : जेमिमा

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रौड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली।

दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए, जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने कहा,' मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।' उन्होंने कहा,' जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी , मुझे टिककर खेलना है।' जेमिमा ने कहा,' इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं समझदारी से खेलने लगी।' जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली

थकान के कारण खेले कुछ पेचीदा शॉट

जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी । मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ पेचीदा शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आक्रामक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सीखा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था।' उन्होंने कहा,' मैं खुदा से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।'

हमारी टीम ऑस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी : हीली

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय स्टार जेमिमा रौड्रिग्स की बेमिसाल मानसिक दृढ़ता की तारीफ की और कहा कि महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनकी टीम आस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी। हीली ने कहा,' हम चार या पांच ओवर बाकी रहते मैच में थे लेकिन क्रिकेट में मजेदार चीजें होती रहती है। अगर आप विरोधी टीम पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सकते तो ऐसा होता है। जेमिमा ने शानदार पारी खेली।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम ने कई गलतियां की, जो आम तौर पर टीम नहीं करती है।

जेमिमा की मानसिक दृढ़ता बेमिसाल

एलिसा हीली ने कहा,'हमने कई बार जरूरत से ज्यादा खराब गेंदें फेंकी और शायद हमने जो मौके बनाए, उनका फायदा नहीं उठा पाए। हम आम तौर पर जितने आक्रामक होते हैं, उतने आक्रामक नहीं थे और यह आस्ट्रेलियाई टीम जैसा प्रदर्शन नहीं था। यह जानते हुए कि हमने इस विश्व कप में कितना अच्छा खेला है, मुझे निराशा हो रही है ।' उन्होंने कहा,'हमने उसे कुछ मौके दिए, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उसने शानदार पारी खेली। उसकी मानसिक दृढ़ता बेमिसाल थी और उसे इसका पूरा श्रेय जाता है।' हीली ने कहा कि उनकी टीम ने जो कैच टपकाए , उससे मैच की तस्वीर बदल गई ।

खबर संक्षेप

शानदार प्रदर्शन, जेमिमा और हरमनप्रीत : तेंदुलकर

नवी मुंबई। सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है, जिसने महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया पर यादगार जीत दर्ज की। तेंदुलकर ने जीत के बाद एक्स पर लिखा,'शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रौड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा।' उन्होंने आगे लिखा,' तिरंगे का परचम लहराते रहो।' स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने लिखा ,'आस्ट्रेलिया जैसे दमदार विरोधी के खिलाफ हमारी टीम की शानदार जीत। जेमिमा का बड़े मैच में शानदार प्रदर्शन। दृढता, विश्वास और जुनून का असल प्रदर्शन। शानदार टीम इंडिया।'

अंडर-16 में रोनाल्डो के बेटे ने किया डेब्यू

अंताल्या। सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बड़े बेटे ने पुर्तगाल की अंडर 16 टीम के लिए पदार्पण किया। क्रिस्टियानिन्हो के नाम से मशहूर पंद्रह वर्ष के क्रिस्टियानो डोस सांतोस को तुर्की के खिलाफ फेडरेशंस कप टूर्नामेंट के मैच में 90वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतारा गया। पुर्तगाल ने यह मैच 2-0 से जीता। सउदी अरब में अल नासर की युवा अकादमी के लिए खेलने वाले क्रिस्टियानिन्हो को पहले पुर्तगाल की अंडर 15 टीम में भी शामिल किया गया था।

नार्थ कोस्ट ओपन के क्वार्टर फाइनल में रतिका

नई दिल्ली। भारत की रतिका एस सीलान आस्ट्रेलिया में नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। सातवीं वरीयता प्राप्त तमिलनाडु की इस खिलाड़ी ने 6 हजार डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में कीवी मैडेन ली को को प्री क्वार्टर फाइनल में 9-11 11-8 11-8 11-2 से हराया।

भारत को चार विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 1-0 से आगे

टीम इंडिया को 17 साल बाद मिली मेलबर्न में हार, अभिषेक की टी20 में छठी फिफ्टी

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

जॉश हेजलवुड की कमाल की बॉलिंग के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे टी20 मुकाबले में चार विकेट से हरा दिया। मेलबर्न में खेले गए मैच में भारतीय बैटिंग 18.4 ओवर में 125 रन पर ढेर हो गई। अभिषेक शर्मा ने 68 रन की पारी खेलकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अर्धशतक जड़ा। इसके साथ ही टीम इंडिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 17 साल के बाद टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारत मेलबर्न में आखिरी बार 2008 में टी-20 मैच हारा था। ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान मिचेल मार्श के 46 रनों की पारी के दम पर 13.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। भारत की तरफ से केवल अभिषेक और हर्षित राणा (35) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। इन दोनों के बाद सात रन के साथ अक्षर पटेल सर्वोच्च स्कोरर रहे। चार भारतीय बल्लेबाजों के खाते नहीं खुले। अभिषेक ने इस बीच जबरदस्त बैटिंग की। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में छठी फिफ्टी ठोकी और 37 गेंद में आठ चौकों व दो छक्कों से 68 रन की पारी खेली।

2008 में हारा था आखिरी बार

इसके साथ ही टीम इंडिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 17 साल के बाद टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारत मेलबर्न में आखिरी बार 2008 में टी-20 मैच हारा था। इस मैदान पर सबसे छोटे फॉर्मेट में टीम इंडिया का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यहां भारत ने अब तक 7 मैच खेले हैं, जहां उन्हें 4 मैचों में जीत मिली है और दो में हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला था। टीम इंडिया ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को दो बार और पाकिस्तान और जिम्बाब्वे को एक-एक बार हराया है।

टूट गया सूर्या का विनिंग स्ट्रीक

इसके साथ ही टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का भी लगातार 9 मैचों का विनिंग स्ट्रीक टूट गया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने लगातार 9 मैचों में जीत दर्ज की है और अब 10वें मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए कप्तान के तौर पर लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2019-2022 तक लगातार 14 मैच जीते थे। उनके ही कप्तानी में टीम इंडिया ने 2024 में 11 मैच अपने नाम किए थे।

भारत फिर हारा टॉस

टॉस के मामले में भारतीय कप्तान एक बार फिर से अनलकी रहीं। ऐसे में टीम इंडिया को पहले बैटिंग करने का मौका मिला। जॉश हेजलवुड ने पहली गेंद से बता दिया कि भारत के लिए मुश्किल होने वाली है। शुभमन गिल डीआरएस के चलते एलबीडब्ल्यू से बचे। लेकिन तीसरे ओवर में हेजलवुड ने उन्हें फंसा ही लिया। भारतीय टीम के उपकप्तान 10 गेंद में पांच रन बनाकर आउट हुए। संजू सैमसन तीसरे नंबर पर भेजे गए लेकिन दो रन बना पाए और नाथन एलिस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू करार दिए गए।

साल्ट-सूर्यकुमार के क्लब में शामिल हुए अभिषेक

इस मैच में अभिषेक शर्मा ने अपना अर्धशतक 23 गेंदों पर पूरा किया और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये 7वां मौका था जब उन्होंने अपना अर्धशतक 25 से कम गेंदों पर पूरे किए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इससे पहले सूर्यकुमार यादव और फिल साल्ट ने 7-7 बार 25 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल किया था। अब अभिषेक शर्मा इन दोनों खिलाड़ियों की बराबरी पर आ गए। अभिषेक ने इस मैच में 37 गेंदों पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 68 रन की पारी खेली। ये टी20आई में कंगारू टीम के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर भी रहा।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
गिल का मार्श बो हेजलवुड	05	10	0	0
अभिषेक पगाबाधा बो एलिस	68	37	8	2
सैमसन पगाबाधा बो एलिस	02	04	0	0
यादव का इंग्लिस बो हेजलवुड	01	04	0	0
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00	02	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	07	12	0	0
राणा का डेविड बो बार्टलेट	35	33	3	1
दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04	02	1	0
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00	05	0	0
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00	01	0	0
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00	01	0	0
अतिरिक्त : 03, कुल योग : 18.4 ओवर में 125/10रन				
गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0				
ऑस्ट्रेलिया	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46	26	2	4
हेड का तिलक बो चक्रवर्ती	28	15	3	1
इंग्लिस पगाबाधा बो कुलदीप	20	20	1	0
डेविड का एवं बो चक्रवर्ती	01	02	0	0
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14	10	0	1
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06	06	0	0
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00	01	0	0
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00	01	0	0
अतिरिक्त : 11 , कुल योग : 13.2 ओवर में 126/6 रन				
गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2.				

म्हात्रे ने लगाया तूफानी अर्धशतक, टेस्ट में की टी20 जैसी बल्लेबाजी

बेंगलुरु। युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में तूफानी अर्धशतक लगाया। बेंगलुरु में खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन उन्होंने 76 गेंद में 65 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। आयुष म्हात्रे ने ओपनिंग करते हुए अर्धशतक का आंकड़ा तो केवल 46 गेंद में पार कर लिया। इस दौरान नौ चौके वे लगा चुके थे। तब भारत का स्कोर 64 रन था। उनके और साई सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 22 ओवर में 90 रन की साझेदारी हुई। इनमें से 65 रन अकेले म्हात्रे के थे। मुंबई से आने वाले इस बल्लेबाज को पहली बार इंडिया ए टीम में चुना गया है। उनकी उम्र केवल 18 साल है और इंडिया अंडर 19 टीम के साथ हाल ही में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नाकाम रहे थे। लेकिन सेलेक्टर्स ने भविष्य को देखते हुए म्हात्रे पर भरोसा जताया और उन्हें इंडिया ए में जगह दी। इस बल्लेबाज ने इस भरोसे को सही साबित किया और तेजी से रन जुटाए।

भारत-ए बनाम साउथ अफ्रीका-ए : 3 महीने बाद खेलने उतरे और सस्ते में निपटे ऋषभ

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

ऋषभ पंत की चोट से उबरने के बाद मैदान पर वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। इंडिया ए की कप्तानी करते हुए वह बल्लेबाजी में सस्ते में निपट गए। ऋषभ पंत ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में 17 रन बनाए। उन्होंने 20 गेंद खेली और दो चौके लगाए। ऋषभ पंत को तेज गेंदबाज ओकुहले सेले ने आउट किया।

यह इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में चौथे टेस्ट के बाद भारतीय कीपर बल्लेबाज का तीन महीने बाद पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। पंत पांचवें नंबर पर बैटिंग के लिए उतरे थे। तब टीम इंडिया का स्कोर तीन विकेट पर 124 रन था। हालांकि इसके बाद भारतीय पारी ढह गई। पंत चौथे विकेट के रूप में 157 के कुल स्कोर पर आउट हुए। दो रन बाद रजत पाटीदार भी चलते बने, वे 19 रन बना सके। उन्होंने 35 गेंद खेली और एक चौका लगाया। वह स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर बोल्ड हो गए। उनसे पहले देवदत्त पडिक्कल भी छह रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट भी सुब्रायन ने ही लिया।

पंत ने 91.2 ओवर कीपिंग की और पकड़ा एक कैच

पंत साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ मुकाबले में इंडिया ए के कप्तान होने के साथ ही कीपर भी हैं। उन्होंने इससे पहले 91.2 ओवर कीपिंग की थी। विकेट के पीछे उन्होंने एक कैच लिया था, जो गुरनूर बराड़ की गेंद पर जुबैर हम्जा का था। बता दे कि पंत को इंग्लैंड दौरे पर जुलाई 2025 में चौथे टेस्ट के दौरान भारत की पहली पारी में बैटिंग करते हुए चोट लगी थी। क्रिस वॉक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करते हुए गेंद उनके पैर पर लगी थी और इससे फ्रैक्चर हो गया था। इसके बाद पंत बाहर हो गए। इसकी वजह से वह न तो एशिया कप 2025 का हिस्सा बन सके और न ही वेस्ट इंडीज के साथ दो टेस्ट की सीरीज में खेल सके।

संधू को प्लेऑफ में हराकर शौर्य ने जीता खिताब

पुणे। तीसरे दौर के बाद दो शॉट से पिछड़ रहे गोल्फर शौर्य भट्टाचार्य ने प्रबल दावेदार युवराज संधू को पूना क्लब ओपन के प्लेऑफ में हराकर जीत हासिल की। शौर्य (69-63-67-64) ने अंतिम दौर में सात अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया और यह दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी रहा। उन्होंने कुल 21 अंडर 263 का स्कोर बनाया और प्लेऑफ में बर्डी लगाकर युवराज को पछाड़ दिया। इस तरह शौर्य ने इस सत्र का दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा खिताब था। इस जीत से उन्हें 15 लाख रुपये का चेक मिला और उन्होंने पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपना चौथा स्थान मजबूत किया। उनकी इस सत्र की में उनकी कमाई 83,02,392 रुपए हो गई। संधू (65-67-65-66) का भी कुल स्कोर 21 अंडर 263 रहा। उन्होंने चौथे दौर में 66 का कार्ड खेला। लेकिन प्लेऑफ में हारकर उप विजेता रहे।

कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों में नहीं हुआ कोई बड़ा उलटफेर

एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को 2-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों के तीसरे दिन कोई बड़ा उलटफेर देखने को नहीं मिला। एक ओर एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, तो दूसरी तरफ लेवांटे ने जीत दर्ज की। एस्पेनयोल ने स्पेनिश खेल के चौथे टियर में खेलने वाली एटलेटिक लिडा के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। इस टीम के लिए दोनों गोल किके गार्सिया ने दागे।

किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन शीर्ष स्तर की टीम को अंतिम मिनटों में तनावभरे पलों का सामना करना पड़ा।

सेल्टा विगो ने किया दूसरे दौर में प्रवेश

वहीं, सेल्टा विगो ने कमजोर प्यूर्टो डी वेगा को 2-0 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7-1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Basis data available in public forum for products in 100cc Motorcycle segment. ^Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. *Limited period offer, T&C apply. +As per cumulative sales numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Pro in Chhattisgarh.

TOLL FREE 1800 266 0018

डाउन पेमेंट @ ₹999$ से शुरू

प्रतिदिन EMI ₹59$ से शुरू

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर : पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली : इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः ख़ुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर : जयसवाल ऑटो , 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

VML.5840.2025HIN

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com